आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

इंदौर-सागर को जोड़ने वाली सड़क का 100 मीटर हिस्सा धंसा, भोपाल में एक लेन पर बंद

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 286 | रायपुर | मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

महंगाई से राहत, 8 साल में सबसे बड़ी गिरावट,,

जीएसटी कटौती का असर, इतना घटा रिटेल इंफ्लेशन

एजेंसी। नई दिल्ली।

खुदरा मुद्रास्फीति दर सितंबर में कम होकर 1.54 प्रतिशत हो गई है। यह महंगाई का जून 2017 के बाद सबसे निचला स्तर है। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में दी गई। सितंबर में खुदरा महंगाई दर में अगस्त के मुकाबले 0.53 प्रतिशत की कमी आई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से बताया गया कि खाद्य महंगाई दर सितंबर में -2.28 प्रतिशत रही है। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर -2.17 प्रतिशत और शहरी इलाकों में खाद्य महंगाई दर -2.47 प्रतिशत रही है।

खाद्य महंगाई दर अगस्त में 0.64 प्रतिशत थी। महंगाई दर में कमी की वजह जीएसटी सुधार को माना जा रहा है, जिससे देश में दैनिक उपभोग से लेकर गाड़ियों तक की कीमतों में कमी देखी गई है।

शाह ने आज राजस्थान में 4 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग का जयपुर में उद्घाटन किया

सरकार न्याय से प्रेरित होकर कर रही काम

केन्द्रीय गृह मंत्री ने तीन नए आपराधिक कानूनों पर राज्यस्तरीय प्रदर्शनी और राजस्थान सरकार के विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया

पीआईबी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राजस्थान में 4 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग का आज जयपुर में उद्घाटन किया और तीन नए आपराधिक कानूनों पर राज्यस्तरीय प्रदर्शनी, राजस्थान सरकार के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय गृह सचिव श्री गोविंद मोहन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अमित शाह ने कहा कि सरकार न्याय से प्रेरित होकर काम कर रही है। इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज का कार्यक्रम विकास और न्याय का समन्वय करने वाला कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आज यहां देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन करने वाले और संविधान प्रदत्त अधिकारों को देश की जनता को सुलभ तरीके से उपलब्ध कराने वाले तीन नए आपराधिक कानूनों का परिचय कराने वाली एक अत्याधुनिक प्रदर्शनी शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के विकास को गति देने के लिए राइज़िंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के MOUs में से 3 लाख करोड़ के MOUs ज़मीन पर उतर चुके थे और आज 4 लाख करोड़ के और MOUs का भूमिपूजन हुआ है। श्री अमित शाह ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े सभी लोगों को यह प्रदर्शनी ज़रूर देखनी चाहिए क्योंकि आने वाले दिनों में हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में होने वाले बहुत बड़े परिवर्तनों को इस प्रदर्शनी में बहुत सटीक तरीके से दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से लोग जान सकेंगे कि 160 साल पुराने कानूनों को समाप्त कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जो तीन नए कानून लाए हैं, उनके पूर्णतः लागू होने के बाद किसी भी एफ्आईआर में तीन साल में न्याय मिल सकेगा। श्री शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानून देश की जनता को समय पर, सुलभ तरीके से न्याय देने का काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने Ease of Living के लिए देश में बहुत सारे परिवर्तन किए हैं और इन नए कानूनों पर अमल के साथ ही Ease of Justice में भी बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तीन नए कानूनों के माध्यम से हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली दंड की जगह न्याय से प्रेरित होकर काम करेगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इन कानूनों का सटीक क्रियान्वयन हो रहा है और भारत सरकार के गृह मंत्रालय के माध्यम से सभी राज्यों को इन कानूनों पर अमल में सहायता और फॉलोअप करने में मार्गदर्शन मिल रहा है। अंग्रेज़ों द्वारा, उनकी संसद में पारित हुए और अंग्रेज़ी शासन को बचाने के लिए बने कानूनों की जगह भारतीयों द्वारा बनाए गए, भारतीय संसद में पारित हुए और भारतीयों को न्याय दिलाने वाले कानूनों की शुरुआत एक ऐतिहासिक बात है।

कनाडा की विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

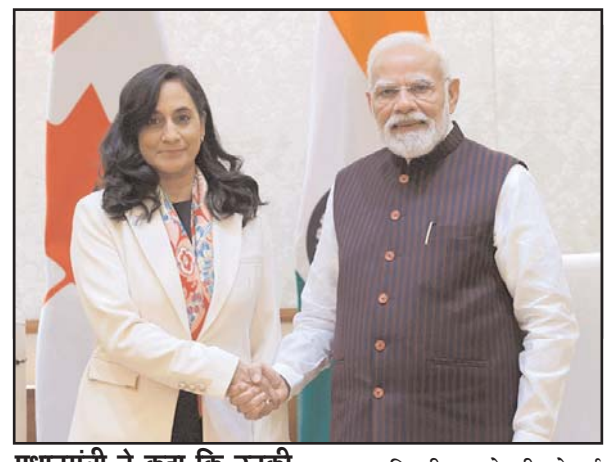

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी यात्रा से द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति मिलेगी

प्रधानमंत्री ने जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी कनाडा यात्रा और प्रधानमंत्री श्री कार्नी के साथ अपनी बैठक को याद किया

पीआईबी

कनाडा की विदेश मंत्री सुश्री अनीता आनंद ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने विदेश मंत्री सुश्री आनंद का स्वागत किया और बताया कि उनकी यात्रा भारत-कनाडा द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति प्रदान करने के लिए मौजूदा प्रयासों में योगदान देगी।

प्रधानमंत्री ने इस वर्ष जून में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा की अपनी यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मार्क कार्नी के साथ अत्यंत उपयोगी बैठक की थी। प्रधानमंत्री ने व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और जन-जन के संबंधों में दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग के महत्व के बारे में बताया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री श्री मार्क कार्नी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे उनके आगामी कार्यक्रमों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

कोल्ड्रिफ सिरप कांड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, श्रीसन फार्मा के 7 ठिकानों पर ईडी की रेड

नई दिल्ली एजेंसी

कोल्ड्रिफ कफ सिरप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मा से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। बता दें कि मध्य प्रदेश में इस जहरीले सिरप के सेवन से अब तक 20 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत की है। जांच एजेंसी ने चेन्नई स्थित श्रीसन फार्मा के 7 ठिकानों पर छापेमारी की है। खास बात यह है कि इन ठिकानों में तमिलनाडु ड्रग कंट्रोल ऑफिस के वरिष्ठ अधिकारियों के आवास और दफ्तर भी शामिल हैं।

वहीं कुछ दिन पहले श्रीसन फार्मा के मालिक जी. रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया था। उनसे सिरप के उत्पादन, गुणवत्ता जांच और वितरण से जुड़ी अनियमितताओं को लेकर पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते मध्य प्रदेश के कई जिलों में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से बच्चों की हालत बिगड़ने लगी थी। सरकारी जांच में सामने आया कि सिरप में जहरीले रसायनों की मात्रा अधिक थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इसकी बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया था।

लैंड जॉब घोटाला केस में लालू परिवार पर आरोप तय : पद का किया दुरुपयोग

कोर्ट ने कहा– पद का दुरुपयोग और साजिश रची गई

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आईआरसीटीसी घोटाले में तीनों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं।

विशेष सीबीआई अदालत ने अपने आदेश में कहा कि लालू यादव ने टेंडर प्रक्रिया में सीधा हस्तक्षेप किया और प्रक्रिया में बदलाव कराया, जिससे भ्रष्टाचार और साजिश की पुष्टि होती है। कोर्ट ने माना कि यह सब कुछ लालू यादव की जानकारी और सहमति से हुआ। सीबीआई की विशेष अदालत के जज विशाल गोगने ने सोमवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि लालू यादव ने सरकारी पद का दुरुपयोग किया। कोर्ट ने लालू, राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। इससे पहले तीनों नेता– लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव– व्यक्तिगत रूप से राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। लालू यादव इस दौरान व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे। कोर्ट ने सभी आरोपियों की उपस्थिति को अनिवार्य बताया था। आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप है कि जब लालू यादव रेलमंत्री थे, तब रांची और पुरी स्थित बीएनआर होटल के टेंडर में भारी अनियमितताएं हुईं। इन होटलों को प्राइवेट कंपनी को सौंपने के एवज में लालू परिवार से जुड़ी कंपनियों को जमीनें दी गईं। सीबीआई ने इस मामले में लालू, राबड़ी, तेजस्वी सहित कई अन्य आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। वहीं लैंड फॉर जॉब केस में 25 अगस्त 2025 को पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने और सबूतों की समीक्षा करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

तेजस्वी को 'अमेठी जैसा' हराने का ऐलान, 24 घंटे में ही प्रशांत किशोर पर एफआईआर ; सैकड़ों गाड़ियों के काफिले पर एक्शन

एजेंसी। वैशाली बिहार विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकते ही जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) कानूनी मुश्किल में फंस गए हैं। तेजस्वी यादव के गढ़ राघोपुर से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करने के 24 घंटे के भीतर ही उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि प्रशांत किशोर शनिवार को सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ राघोपुर पहुंचे थे, जिसके चलते वैशाली जिले के राघोपुर थाने में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार, राघोपुर के अंचलाधिकारी (CO) के आवेदन पर यह मामला दर्ज किया गया है।

झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर में उपचुनाव का हुआ ऐलान,

नई दिल्ली – चुनाव आयोग ने तीन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में खाली हुई विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की। झारखंड, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर की विधानसभा की कुछ सीटें हाल ही में खाली हुई हैं, जिन्हें भरने के लिए चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की तारीखें तय की हैं। यह उपचुनाव 16 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। झारखंड की 45-घाटशिला (एसटी) विधानसभा सीट (जो राम दास सोरेन के निधन के कारण 15 अगस्त, 2025 को खाली हुई थी) पर उपचुनाव होने जा रहा है। चुनाव आयोग ने इस सीट के लिए उपचुनाव की तारीखों का ऐलान करते हुए कहा है कि 16 नवंबर तक नया विधायक चुना जाएगा। निर्वाचन के लिए 21 अक्टूबर को नामांकन की अंतिम तारीख रहेगी। 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 24 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकेंगे। 11 नवंबर को मतदान होगा। मतदान का समय सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। मिजोरम की 2-डांपा (एसटी) विधानसभा सीट भी खाली हुई थी, जब लालरिंतलुआंगा सैलो का निधन 21 जुलाई, 2025 को हुआ। यहां भी उपचुनाव 16 नवंबर तक पूरा होना है। यहां नामांकन 21 अक्टूबर तक जमा करने होंगे, 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी, 24 अक्टूबर तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा।

जम्मू-कश्मीर के नागरोटा विधानसभा क्षेत्र की 77 नंबर की सीट देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण 31 अक्टूबर, 2024 को खाली हुई थी। यहां भी चुनाव आयोग ने उपचुनाव कराने का निर्णय लिया है। यहां नामांकन की अंतिम तारीख 20 अक्टूबर निर्धारित की गई है। 22 अक्टूबर को नामांकन की जांच होगी और 24 अक्टूबर तक नाम वापसी की अनुमति रहेगी। मतदान की तारीख 11 नवंबर तय की गई है।

विश्व | **! बोले- 'मैं युद्ध खत्म कराने में माहिर हूं'**

अब पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष को सुलझाएंगे ट्रंप

वाशिंगटन एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष जारी है। दोनों देशों की तरफ से सीमा पर भारी बमबारी की जा रही है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगान-पाक युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस विवाद को खत्म कर सकते हैं। मिस्र के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, यह मेरा आठवां युद्ध होगा, जिसे मैंने सुलझाया है और मैंने सुना है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच भी युद्ध चल रहा है। उन्होंने कहा, मैंने कहा था, मुझे वापस आने तक इंतजार करना होगा। मैं दूसरा युद्ध समाप्त करवा रहा हूं क्योंकि मैं युद्ध सुलझाने में माहिर हूं।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बारे में सोचिए। उन कुछ युद्धों के बारे में सोचिए जो सालों से चल रहे थे। एक युद्ध 31 सालों से चल रहा था, एक 32 सालों से, और एक 37 सालों से, जिनमें हर देश में लाखों लोग मारे गए, और मैंने उनमें से ज्यादातर को एक दिन के अंदर ही निपटा दिया। यह बहुत अच्छा है। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को मिले नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर उन्होंने कहा, मैंने यह नोबेल शांति पुरस्कार लेने के लिए नहीं किया। मैंने यह जीवन बचाने के लिए किया।

उन्होंने आगे कहा, जिस व्यक्ति को नोबेल पुरस्कार मिला, उसने मुझे फोन किया और कहा, 'मैं इसे आपके सम्मान में स्वीकार कर रही हूं, क्योंकि आप वास्तव में इसके हकदार थे।' मैं इस दौरान उनकी मदद करता रहा हूं। मीडिया से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कई अंतरराष्ट्रीय विवादों का ज़िक्र किया, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि उनके नेतृत्व के दौरान उनका समाधान हो गया।

इजरायली संसद में ट्रंप का सम्मान, नेतन्याहू ने बताया सबसे अच्छा मित्र

अगले साल नोबेल के लिए सपोर्ट जुटाएंगे

पीआईबी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सोमवार को इज़राइली संसद (नेसेट) में खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट और सांसदों की गर्मजोशी से सराहना मिली। सत्र के दौरान, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इज़राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकबी को अमेरिका-इज़राइल संबंधों को मज़बूत करने में उनके योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में ट्रम्प को इज़राइल का सबसे बड़ा दोस्त बताया

ट्रम्प के भाषण से पहले, इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बेहद भावुक और चुनौतीपूर्ण भाषण दिया, जिसमें उन्होंने इज़राइल के प्रति

ट्रम्प के अटूट समर्थन और क्षेत्रीय सुरक्षा में उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। नेतन्याहू ने कहा,अब्राहम समझौते की मध्यस्थता करने, विनाशकारी ईरान परमाणु समझौते से हटने, ऑपरेशन राइजिंग लायन का समर्थन करने और ऑपरेशन मिडनाइट हैमर शुरू करने के आपके साहसिक निर्णय के लिए धन्यवाद... आधी रात के कुछ देर बाद, आपने वास्तव में उन (ईरान) पर प्रहार किया। उन्होंने ट्रम्प को ÷व्हाइट हाउस में इज़राइल का अब तक का सबसे बड़ा दोस्त÷ कहा, और ज़ोर देकर कहा कि किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने इज़राइल के लिए इतना कुछ नहीं किया।

नेतन्याहू ने इज़राइल की दृढ़ता की शपथ ली हमास के साथ चल रहे युद्ध पर विचार करते हुए, नेतन्याहू ने कहा हमने युद्ध की भारी कीमत चुकाई है, लेकिन दुश्मन समझते हैं कि इज़राइल कितना शक्तिशाली और दृढ़ है। वे समझते हैं कि 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमला करना एक भयावह भूल थी। वे समझते हैं कि इज़राइल यहाँ हमेशा के लिए है... हम ताकत के ज़रिए शांति स्थापित करते हैं।÷ ट्रम्प की ओर मुड़ते हुए, प्रधानमंत्री ने शांति और स्थायी अमेरिका-इज़राइल गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई: राष्ट्रपति महोदय, हम सब मिलकर शांति स्थापित करेंगे। हमने अब्राहम समझौते के ज़रिए पहले भी ऐसा किया है, और हम इसे फिर से करेंगे।÷ नेतन्याहू ने इस प्रतिज्ञा के साथ समापन किया कि इज़राइल ÷इस शांति के लिए प्रतिबद्ध÷ है, भले ही वह अपने विरोधियों के खिलाफमजबूती से खड़ा हो। केनसेट स्पीकर अमीर ओहाना ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफकी और कहा कि ट्रंप से ज्यादा नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार कोई नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि इजरायल उन्हें अगले साल इस पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करेगा।

हमास ने 7 इजराइली बंधकों को छोड़ा

एजेंसी

तेल अवीव । इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक बड़ी प्रगति हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल के दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। इस बीच इजरायल और हमास ने बंधकों की अदला-बदली की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस समझौते का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच जारी युद्ध को समाप्त कर स्थायी शांति की दिशा में कदम बढ़ाना है। इजरायली सरकार की प्रवक्ता शोश बेड्रोसियन ने बताया कि आज तीन अलग-अलग समूहों में 20 जिंदा बंधकों को रिहा किया जाएगा, जबकि 28 मृत बंधकों के शव इजरायल को सौंपे जाएंगे। इसके बदले इजरायल 250 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ था, जब हमास ने इजरायल पर बड़ा हमला किया था। तब से दोनों ओर भारी जनहानि और नुकसान हुआ है। मौजूदा शांति समझौता अमेरिका, मिस्र, कतर और तुर्की की मध्यस्थता से संभव हुआ है। हमास के सशस्त्र विंग ने कहा है कि वे युद्धविराम और उसकी समयसीमा का पालन करेंगे, बशर्ते इजरायल भी अपने वादों पर कायम रहे। हमास के अनुसार, पहला चरण पूरा करते हुए उन्होंने 7 इजरायली बंधकों को अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस को सौंप दिया है। बंधकों की रिहाई को लेकर इजराइल में जश्न भी शुरू हो गया है। रविवार रात से इजराइली नागरिक राजधानी तेल अवीव में जुटे हुए हैं। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन बंधकों को छोड़ा गया है, उनके नाम हैं ङ्क एतान मोर, गली और जिव बर्मन, मतान एंग्रिस्ट, ओमरी मिरान, गाय गिल्बोआ दलाल और एलन अहेल। सूत्रों के अनुसार, हमास का दूसरा समूह दोपहर करीब 1.30 मिनट पर रिहा किया जाएगा।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

उन्नत विधि का लाभ मिल रहा किसानों को, टमाटर की खेती मालामाल हो रहे हैं किसान

लोकशक्ति। संवाददाता

रायपुर, । किसानों और कृषि से जुड़े स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत, फ्ल, सब्जी, फूल, मसाले, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के लिए केन्द्र सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना का लाभ लेकर किसान सुनील भगत ने कुल लागत राशि काटकर शुद्ध लाभ अर्जित किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को किसानों को उन्नत खेती की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

इसके साथ ही किसानों को केन्द्र और राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए कहा है ताकि किसान आर्थिक रूप से मजबूत बन सके इसी कड़ी में किसान द्वारा अन्य योजनाओं का लाभ लेकर खेती किया जा रहा है। अब वे ड्रीप, मिल्चिंग को लेकर खेती की उन्नत विधि से जुड़ने की ओर अग्रसर है। अन्य किसानों पर कृषक की सफलता का प्रभाव खेती की प्रक्रिया को आधुनिक बनाकर, राष्ट्रीय बागवानी मिशन का मुख्य लक्ष्य उत्पादन को बढ़ावा देना है। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक, प्राकृतिक उर्वरकों, पर्यावरण-अनुकूल कीटनाशकों और अन्य उपकरणों का उपयोग करना आवश्यक है जो किसानों को अपना उत्पादन बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं। किसान समूहों द्वारा किए जाने वाले प्राथमिक कार्यों में कृषि उत्पादों की खरीद, बाज़ारों से संपर्क स्थापित करना, इनपुट की आपूर्ति और प्रशिक्षण एवं जानकारी प्रदान करना शामिल है। ग्राम पंचायत टेम्पू एवं आस-पास के ग्राम पंचायत

पशु तस्करी में जप्त 14 वाहनों की नीलामी में मिले 24,04,221 रुपये

राजनांदगांव। राजनांदगांव पुलिस ने पशु तस्करों पर अंकुश लगाने के लिए बड़ी कार्यवाही करते हुए पशु तस्करी में जप्त 14 वाहनों की नीलामी करवाई। जिसके तहत 7 ट्रक, 5 पीकप, 1 स्कार्पियो एवं एक कार को नीलाम किया गया।

जिला राजनांदगांव के विभिन्न थानों में पशु तस्करी के मामलों में पंजीबद्ध अपराधों में जप्त 20 वाहनों को राजसात किये जाने हेतु जिला दण्डाधिकारी राजनांदगांव द्वारा आदेश पारित किया गया था जिसके नीलामी हेतु कमेटी का गठन किया गया जिसमें उप संचालक पशु चिकित्सा एवं सेवाए राजनांदगांव को सचिव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव एवं क्षेत्रीय परिवहन आयुक्त राजनांदगांव को सदस्य बनाया गया था। जिला स्तरीय कमेटी द्वारा नीलामी कार्यवाही हेतु वाहनों की प्रक्रियानुसार मूल्याकंन सत्यापन कार्यवाही कराया जाकर जेम पोर्टल के माध्यम से नीलामी हेतु डाटा ऑनलाईन अपडेट किया गया था। जेम पोर्टल के माध्यम से दिनांक 06.10.2025 एवं 08.10.2025 को ऑनलाईन नीलामी कार्यवाही संपादित किया गया है, जिसमें 14 वाहनों की नीलामी की गई है, शेष बचे 06 वाहन आगामी नीलामी प्रक्रिया में शामिल किया जावेगा। नीलामी किए गए वाहनों में थाना डोगरगढ़- 01, थाना मैदाटोला-03, सोमनी-03, कोतवाली-01, चिचोला-02, मोहरा-01, चिखली-01, लालबाग-01, सुरिया-01 में जप्त वाहन है, जिसमें से 05 कडम वाहन 9,21,716/- रू. एवं अन्य 09 वाहन 24,04,221 रुपये में नीलाम किया गया है। नीलाम की गई राशि शासन के कोषालय में जमा करवाया गया है।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से खजरीढाप में लौटी रोशनी

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से खजरीढ में लौटी रोशनी

रायपुर। जशपुर जिले के बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से विकासखंड पत्थलगांव के ग्राम पंचायत खजरीढाप स्थित गांधी चौक मोहल्ला में बाधित विद्युत आपूर्ति पुनः प्रारंभ हो गई है। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित थी, जिससे ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित पहल की जिसके फलस्वरूप विद्युत विभाग ने क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलकर बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी।

समस्या के त्वरित निदान पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि जनसामान्य की समस्याओं की सुनवाई और निदान के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थापित किया गया है। यहां प्राप्त होने वाली शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से बिजली, पानी एवं स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं के मामले में कैंप कार्यालय द्वारा तत्परता से की जा रही कार्रवाई से जनमानस का विश्वास बढ़ा है।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से 13 वर्षीय बच्ची की मौत

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। जिले में एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से 13 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई है। इस मामले ने स्वास्थ्य विभाग की नींद उड़ा दी। मिली जानकारी के अनुसार विशेसरा गांव की रहने वाली यह बच्ची दस्त की शिकायत लेकर डॉक्टर भगवान दास के पास गई थी, लेकिन झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही और गलत इलाज के कारण उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विशेसरा गांव की बच्ची की मौत के जिम्मेदार झोलाछाप डॉक्टर भगवान दास, निवासी पिपालामार के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

इधर बच्ची की मौत की खबर मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने पूरे जिले में चल रहे अवैध क्लीनिकों और पैथोलॉजी लैब पर तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। स्वास्थ्य विभाग ने गौरेला, पेण्ड्रा और मरवाही के अलग-अलग क्षेत्रों में संचालित 10 से अधिक क्लीनिक और पैथोलॉजी लैब पर छापामारी की। इस दौरान सिद्धिविनायक क्लिनिक और इशिका पैथोलॉजी लैब को अवैध संचालन के चलते सील कर दिया गया।

भाजपा सहयोग केंद्र में मंत्री बघेल ने किया आवेदनों का निराकरण

रायपुर । भाजपा प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) मे शुक्रवार को प्रदेश के खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सहयोग केंद्र में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम जन की समस्याओं और आवेदनों का निराकरण किया। सहयोग केंद्र में शुक्रवार को 40 आवेदन आए थे। इस दौरान सहयोग केंद्र प्रभारी वरिष्ठ नेता सच्चिदानंद उपासने तथा आईटी सेल संयोजक सुनील पिल्लई मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट में दूसरे दिन तक 6 राउंड का खेल हुआ संपन्न

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत जशपुर में शतरंज का रोमांच - बाल प्रतिभाओं ने दिखाया कमाल

10 वर्षीय विराट और सावी ने वयस्क प्रतिद्वंदियों पर पड़े भारी

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में जशपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट के दूसरे दिन तक 6 राउंड का खेल संपन्न हुआ। आयोजन समिति के अध्यक्ष एसडीएम विश्वास राव मस्के और सचिव, जिला खेल अधिकारी समीर बड़ा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक खेल गए पांच राउंड के परिणाम में सेनगुप्त दीपांकर, स्पर्श खंडेलवाल, सालिक नवाज मनिहार, ईशान सैनी, वी. विराट अय्यर, रूपेश कुमार मिश्रा, संस्कार कश्यप, शेख इदु और शुभम सिंह टॉप टेन स्थान पर रहे हैं। विजेता का निर्धारण पूरे आठ राउंड के बाद ही हो सकेगा। टूर्नामेंट में 06 वर्ष से 67 वर्ष तक के खिलाड़ी शतरंज खेल रहे हैं। खेल के कुछ आश्चर्यजनक परिणाम भी मिल रहे हैं। कुछ विलक्षण प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपने खेल से सभी को रोमांचित किया। दुर्ग के 10 वर्षीय नन्हे खिलाड़ी वी. विराट अय्यर ने अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त अपने प्रतिद्वंदी 04 वयस्क खिलाड़ियों को हराया। वहीं रायपुर की 10 वर्षीय नन्ही बालिका खिलाड़ी सावी गौरी ने भी अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त अपने प्रतिद्वंदी 04 वयस्क खिलाड़ियों को हराया। इस ओपन प्रतियोगिता में सभी वर्गों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लेते हुए समिति द्वारा की गई तैयारियों की सराहना की।

इस टूर्नामेंट का आयोजन छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन के सहयोग से कराया जा रहा है। चेस एसोसिएशन की ओर से आर्बिटर अनीश अंसारी, रॉकी देवांगन, हर्ष शर्मा, शुभम बसोने, शेष रतन जायसवाल, प्रदीप कुमार मंडल और अनिल शर्मा खिलाड़ियों को गाइड करने के साथ निर्णायक की भूमिका निभाई। जिला प्रशासन की ओर से टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए आयोजन समिति के जॉइंट सेक्रेटरी विनोद गुप्ता के साथ समिति के सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं ।

बस्तर तक पहुंची धर्म जागरण की बयार, सात साल पहले कन्वर्ट हो चुका परिवार लौट आया अपने मूल धर्म में

कोया समुदाय के परिवार का हुआ शुद्धिकरण

समाज प्रमुखों की पहल पर जाग उठी चेतना

जगदलपुर। बस्तर में अब अपने मूल धर्म के प्रति जागरण की बयार बहने लगी है। बहकावे, प्रलोभन और प्रपंचों में फंसकर दूसरा धर्म अपना चुके आदिवासी एवं अन्य समुदायों के लोग अब अपने मूल धर्म में वापसी करते जा रहे हैं। मूल धर्म के प्रति सी जागरूकता बस्तर संभाग के कांकेर जिले के साथ ही बस्तर जिले में भी आने लगी है। कांकेर के भर्रीपारा के बाद अब बस्तर ब्लॉक की सुधापाल पंचायत में भी एक परिवार के चार सदस्यों ने धर्म में वापसी कर ली है। हाल ही में कांकेर जिले के बोटेचांग गांव में तीन भाइयों के परिवारों की मूल धर्म में वापसी के बाद अब इसी जिले के ग्राम सरोना के भर्रीपारा में दो कन्वर्टेड परिवारों ने अपने मूल धर्म के प्रति निष्ठा और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हुए मूल धर्म में वापसी की थी। सरोना के सरपंच और अन्य ग्राम प्रमुखों की पहल पर सरोना के भर्रीपारा में निवासरत दो धर्मांतरित परिवारों ने घर वापसी की थी। इन लोगों को लालच और भ्रम जाल में फंसाकर कन्वर्ट कर लिया गया था। दोनों परिवारों के प्रमुखों का कहना है कि लगभग दो वर्ष पूर्व प्रलोभन के कारण वे दूसरे धर्म में चले गए थे। लेकिन समय के साथ उन्हे अपनी गलती का अहसास हुआ और अपने मूल हिंदू धर्म में वापस लौटने का निर्णय लिया। सरोना में इसी विषय को लेकर दो दिन पहले लगभग 35 गांवों के लोगों ने बैठक की थी और धर्मांतरण को लेकर चिंता जताई थी। इस बैठक में यह तय किया गया था कि गांव के जिस परिवार ने धर्मांतरण किया है, उससे संवाद करके उसके धर्मांतरण करने का कारण जाना जाएगा और उसको अपने धर्म में वापस होने की समझाईश दी जाएगी। इस बैठक का यह परिणाम सामने आया कि सरोनों के भर्रीपारा के दो परिवारों के प्रमुख एवं सदस्य अपने मूलधर्म में वापस आ गए। ग्रामवासियों ने दोनों परिवारों का स्वागत परंपरागत तरीके से पैर धोकर और आरती उतारकर किया और उनकी घर वापसी कराई। यह दृश्य अत्यंत भावनात्मक रहा। इस दौरान ग्राम सभा में मौजूद ग्रामीणों ने भी दोहराया कि वे अपने गांव में हर तरह के धर्मांतरण के प्रयासों का विरोध करेंगे और सामाजिक एकता बनाए रखेंगे। कार्यक्रम के अंत में दोनों परिवारों को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया और सभी ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि गांव में भाईचारा और एकता की भावना सदैव बनाए रखेंगे। पूरे वातावरण में जय श्रीराम और हर हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। ग्राम सभा के दौरान दोनों परिवारों ने खुले रूप में अपने विचार रखते हुए कहा कि वे अब अपने मूल धर्म में स्थायी रूप से रहेंगे और समाज व संस्कृति से जुड़कर जीवन व्यतीत करेंगे।

चहेते महिला समूह को लाभ पहुंचाने अधिकारियों पर पक्षपात का आरोप

कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

भोजन आपूर्ति की निविदा में बड़ा घोटाला

बलरामपुर रामानुजगंज। जिला अस्पताल बलरामपुर में भर्ती मरीजों और प्रसूता महिलाओं के लिए भोजन आपूर्ति कार्य हेतु वर्ष 2025-26 की निविदा प्रक्रिया अब विवादों में घिर गई है। जिले की कई महिला स्वयं सहायता समूहों ने निविदा में अनियमितता, नियमों की अवहेलना और पक्षपात का आरोप लगाते हुए कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज को ज्ञापन सौंपा है। महिला समूहों ने आरोप लगाया है कि सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक 1100 दिनांक 04 सितंबर 2025 को नियमों को ताक पर रखकर कुछ विशेष महिला समूहों को लाभ पहुंचाने की नीयत से पूरी प्रक्रिया को अंधेरे में अंजाम दिया गया।

देर रात खोली गई निविदा, पारदर्शिता पर सवाल

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि निविदा को नियत समय शाम 4 बजे खोलने की बजाय रात्रि 8 बजे से 11 बजे के बीच गुपचुप तरीके से खोला गया, जिससे केवल चहेते समूहों को ही शामिल किया जा सके। इतना ही नहीं, निविदा प्रक्रिया जिला अस्पताल की बजाय जिला पंचायत कार्यालय में की गई और बाकी समूहों को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई।

दस्तावेजों की अनदेखी, अपात्र को पात्र बनाया!

नियमों के अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत जारी जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र अनिवार्य था, लेकिन चयनित महिला समूह द्वारा यह दस्तावेज निविदा प्रकाशन के बाद बनवाया गया। बावजूद इसके उन्हें पात्र मानते हुए चयन कर लिया गया। दूसरी ओर, जिन समूहों ने वैध दस्तावेज लगाए थे, उन्हें तकनीकी खामियों का हवाला देकर बाहर कर दिया गया।

फार्मासिस्ट शशि गुप्ता पर गंभीर आरोप

महिला समूहों ने चयन समिति के सदस्य शशि गुप्ता (फार्मासिस्ट) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, निविदा जारी करने से पहले ही उन्होंने पूर्व नियोजित महिला समूह को दस्तावेज तैयार करने की मौखिक सूचना दे दी थी। यही नहीं, चयनित समूहों का संचालन एक ही व्यक्ति के द्वारा किया जा रहा है, जो कथित रूप से शशि गुप्ता का रिश्तेदार है।

फरसागुड़ा में पोषण माह पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, प्रतियोगिताओं और स्वास्थ्य शिविर से बढ़ा उत्साह

जगदलपुर । केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर द्वारा बस्तर जिले के फरसा गुड़ा ग्राम में आज 11 अक्टूबर 2025 को पोषण माह के अवसर पर विशेष लोकसंपर्क एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व बस्तर सांसद दिनेश कश्यप, जिला पंचायत बस्तर की अध्यक्ष वेदवती कश्यप, ग्राम सरपंच गणेश कश्यप तथा महिला एवं बाल विकास विभाग, बस्तर की परियोजना अधिकारी सावित्री बघेल की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर महिलाओं के लिए दो वर्गों में कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिससे ग्राम की महिलाओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम में पोषण आहार विषय पर प्रश्न मंच का भी आयोजन किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को विभाग की ओर से पुरस्कृत किया गया। साथ ही बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार एवं गर्भवती माताओं की गोद भराई रस्म भी संपन्न हुई, जिससे कार्यक्रम का वातावरण पारिवारिक और प्रेरणादायक बना रहा। स्वास्थ्य विभाग, फरसा गुड़ा द्वारा इस अवसर पर एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें हीमोग्लोबिन (Hb) टेस्ट सहित अन्य चिकित्सकीय परीक्षण किए गए। शिविर में लगभग 100 ग्रामीणों की जांच की गई। इसके अतिरिक्त, पोषण संबंधी जानकारी देने के लिए पोषण जागरूकता स्टॉल भी लगाया गया, जहां ग्रामीणों को संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप और ग्राम सरपंच गणेश कश्यप ने संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सही पोषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए, बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी आवश्यक है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कार्यक्रम में जनभागीदारी को और अधिक प्रभावशाली बनाया गया। बस्तर लोक कला समिति, नानगुर के कलाकार धीरनाथ बघेल ने लोकगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया, वहीं सुपरवाइजर सुनीता रामटेक ने पोषण आहार पर जनजागरूकता गीत प्रस्तुत किया। सुपरवाइजर सुधा श्रीवास्तव ने पोषण माह की अवधारणा और उद्देश्यों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन केंद्रीय संचार ब्यूरो के शशांक शेण्डे ने किया।

ए एस आई पर रिश्वतखोरी का आरोप : कोर्ट में चालान पेश करने के नाम पर मांगे 30 हजार

राजनांदगांव। पुलिस पर रिश्वतखोरी का गंभीर आरोप लगा है। एक महिला ने आरोप लगाया है कि थाना में पदस्थ एएसआई और एक पुलिसकर्मी ने उसके पति के केस का चालान कोर्ट में पेश करने के नाम पर 30 हजार रुपये की मांग की। महिला ने इसकी लिखित शिकायत एसपी से की है और न्याय की मांग की है। यह मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र का है। शिकायतकर्ता महिला के अनुसार, 14 सितंबर को राजनांदगांव के मोहारा बायपास स्थित एक सीमेंट दुकान के पास दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच कुछ लोगों के बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर झगड़ा कर रहे लोगों को हिरासत में ले लिया, जिसमें उसका पति भी शामिल था। महिला ने आरोप लगाया कि पुलिस ने जबरदस्ती उसके पति पर लूट का केस दर्ज कर जेल भेज दिया है। महिला ने बताया कि घटना के एक महीने बीत जाने के बाद जब वह बसंतपुर थाना पहुंची, तो वहां पदस्थ एएसआई गोवर्धन देशमुख और एक पुलिसकर्मी लक्ष्मण टंडन ने उसके पति के केस का चालान कोर्ट में पेश करने के नाम पर 30,000 रुपये की मांग की। महिला ने बताया कि एएसआई मामले में प्रार्थी पक्ष के साथ मिलीभगत कर रहे हैं और पैसे की मांग पूरी न होने तक चालान कोर्ट में प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। एसपी से की लिखित शिकायत वहीं महिला आज राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक कार्यालय शिकायत करने पहुंची। इस दौरान उसने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा से मिलकर एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा और मामले की लिखित शिकायत कर जांच की मांग की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा ने बताया कि महिला की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच कराई जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के लिए 41 हजार करोड़ रुपए से अधिक की दो नई योजनाओं का किया शुभारंभ

पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन से विकसित भारत का सपना होगा साकार

मिशन के तहत छत्तीसगढ़ के जशपुर, कोरबा और दंतेवाड़ा जिला के चयन पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का माना आभार

मुख्यमंत्री ने किसानों को नई योजनाओं के लिए दी बधाई और शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा : प्रदेश में खेती-किसानी की तस्वीर बदलेगी और आर्थिक सम्पन्नता आएगी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित मुख्य समारोह से देश के किसानों को 41 हजार करोड़ रूपए से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया। उन्होंने इस मौके पर दो नई योजनाएं- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। इनमें प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के लिए 30 हजार करोड़ रूपए और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के लिए 11 हजार करोड़ रूपए शामिल है। इसके अलावा श्री मोदी कृषि और संरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषक सभागार से हजारों किसानों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा ऑनलाईन जुड़कर इस अभियान के शुभारंभ के साक्षी बने। इस मौके पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं डेयरी विकास मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, सांसद और विधायक भी वर्चुअली रूप से जुड़े थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की जयंती के दिन आज देश कृषि आत्मनिर्भरता का नया इतिहास रच रहा है। आज से प्रारंभ हुई दोनों योजनाएं देश के अन्नदाताओं को सशक्त बनाने और कृषि आत्मनिर्भरता के नए युग की शुरुआत है। खेती को लाभकारी और आधुनिक बनाने की दिशा में यह पहल मील का पत्थर सिद्ध होंगी। उन्होंने बताया कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में भारत का कृषि निर्यात बढ़ा है, शहद उत्पादन, पशुपालन, मत्स्यपालन सहित सहायक कृषि गतिविधियों में बढ़ोत्तरी हुई है। प्रधानमंत्री ने बताया कि विकास के पैरामीटर में पिछड़ रहे जिलों के लिए केंद्रित आकांक्षी जिला योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से सुधार का काम हुआ है। ठीक उसी तरह प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत खेती किसानी में पिछड़े देश के 100 जिलों के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर काम किया जाएगा।

आत्मनिर्भर भारत, राज्य सरकार खादी उत्पादों को बेचने नियुक्त करेगी मार्केटिंग एक्सक्यूटिव

आधुनिक चरखों से बुनकरों को भी बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्यि विष्णु देव साय के निर्देश पर हैण्डलूम तथा हाथकरघा संचालनालय के आधुनिकीकरण का काम शुरू हो गया है। खादी वस्त्रों के बिक्री के अब मार्केटिंग एक्सक्यूटिव की नियुक्ति की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन के हैण्डलूम एवं हाथकरघा संचालनालय द्वारा राज्य में विभिन्न विक्रय केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें गांधी जयंती पर 20 प्रतिशत छूट दी गई है, जिसके तहत अब हैण्डलूम निर्मित चादर, गमछा, रूमाल, साड़ी तथा अन्य सामग्रिया काफी विश्वसनीय होती है, लेकिन इस समय मार्केट में बढ़ते कॉम्पिटिशन के चलते इनकी विक्री नहीं हो पा रही है। इसके चलते अब हैण्डलूम संचालक द्वारा हैण्डलूम एक्सक्यूटिव की नियुक्ति की जाएगी। जिनका काम खादी उत्पादों एवं हस्तनिर्मित वस्त्रों की नीलामी करवाना है। पिछले कई दिनों से खादी उत्पादों की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा सहद मधुमक्खी पालन तथा साबुन निर्माण किया जाता है। भारत शासन के अधीन खादी ग्रामोद्योग भी संचालित है। जिसके द्वारा पूरे भारत वर्ष में खादी उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जाता है। ऊन से निर्मित शॉल, जैकेट तथा कंबल काफी लोकप्रिय है। हैण्डलूम संचालनालय द्वारा मार्केटिंग एक्सक्यूटिव के एमबीए सहित अन्य योग्यताएं मांगी गई है। निर्धारित आहर्तापूर्ण करने वाले युवा इसमें भाग ले सकते हैं।छत्तीसगढ़ के ग्रामोद्योग विभाग द्वारा आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ के कुरूद धमतरी जिला, मानपुर मोहला जिला, राजनांदगांव, बिल्हा, महासमुंद सहित कई अन्य जिलों में एक क्लस्टर बनाया गया है, जिसमें अब आधुनिक चरखे लगाए जाएंगे। यहां पर कपास से सूत की कताई सहित अन्य काम किए जाएंगे।

शिक्षा में डिजिटल क्रांति- 1100 विद्यालयों को मिलेगी स्मार्ट टीवी की सौगात

बिल्हा के 25 स्कूलों में स्मार्ट टीवी वितरण

बिल्हा के 25 स्कूलों में स्मार्ट टीवी वितरण, डिजिटल एवं ई-क्लास को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर।शासकीय विद्यालयों में विशेष कर प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उसे रुचि कर बनानें के उद्देश्य से जन सहयोग के माध्यम से जिले के लगभग 1100 विद्यालयों में स्मार्ट टी0व्ही उपलब्ध कराया जाएगा। शिक्षा में डिजिटल क्रांति के तहत बिलासपुर जिले के विकासखण्ड बिल्हा के 25 स्कूलों में स्मार्ट टीवी वितरण किया गया, जिससे बच्चे मनोरंजक ढंग से शिक्षा प्राप्त कर सकेगें। बिल्हा विकासखण्ड में 50 स्मार्ट टी0व्ही श्री नरेश अग्रवाल प्रबंधक मंगल पावर एवं इस्पात बिल्हा के द्वारा प्रदान किया गया है, जिसके प्रथम चरण में आज 25 स्मार्ट टी0व्ही विद्यालयों को प्रदान किया गया है। इस प्रकार शेष विद्यालयों को शीघ्र ही स्मार्ट टी0व्ही0 उपलब्ध कराया जायेगा। शिक्षा को बढ़ावा देनें एवं उसे बच्चों में रुचि कर बनानें के उद्देश्य से जन सहयोग के माध्यम से जिले मार्ट टी0व्ही सेट उपलब्ध्ण कराया जा रहा है। बच्चों को डिजिटल एवं ई-क्लास के माध्यम से रुचिकर कर शिक्षा प्रदान की जायेगी, जिससे बच्चों का विद्यालय ओर अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।सम्पर्क फॉउडेशन नई दिल्ली द्वारा लगभग 1100 विद्यालयों को निःशुल्क सम्पर्क टी0व्ही डिवाईस भी उपलब्ध कराया जा रहा हैं, जिसके माध्यम से बच्चे मनोरंजक ढंग से शिक्षा प्राप्त कर सकेगें। इस कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत बिलासपुर, कमिश्नर नगर निगम बिलासपुर प्रबंधक मंगल पावर एवं इस्पात बिल्हा, डी0एम0सी0 समग्र शिक्षा बिलासपुर सहित अधिकारी उपस्थित रहे ।ज्ञातव्य है कि इसके पूर्व 7 अक्टूबर को प्रथम चरण में नगर पालिक निगम बिलासपुर द्वारा शहरी क्षेत्र के 31 शासकीय प्राथमिक शालाओं को स्मार्ट टी0व्ही0 का वितरण किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की पहल से जन सहयोग द्वारा विद्यालयों को लगातार स्मार्ट टी0 व्ही0 उपलब्ध लगातार कराया जा रहा है। बच्चों को डिजिटल एवं ई-क्लास के माध्यम से रुचिकर कर शिक्षा प्रदान की जायेगी जिससे बच्चों का विद्यालय के प्रति रुचि बढ़ेगी।

अपराजिता केंद्र में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, जागरूकता के साथ दिखा उत्साह और उमंग

रायपुर, संवाददाता। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग, जिला रायपुर द्वारा संचालित एकीकृत महिला सहायता केंद्र 'अपराजिता' में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्तियों के जीवन में सकारात्मकता और आत्मविश्वास लाना था। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें 80 से अधिक हितग्राहियों ने भाग लिया। संस्था में हितग्राहियों को निःशुल्क आवास, भोजन, वस्त्र एवं उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। प्कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हितग्राहियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। चम्मच दौड़ में सुगंधनी ने पहला, विजयलक्ष्मी ने दूसरा, और सावित्री ध्रुव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बिस्किट दौड़ में सुमित्रा, अन्नु और सावित्री ध्रुव क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं। स्टाफहेतु व्यंजन प्रतियोगिता में सपना मंडल (प्रथम), बिंदु वर्मा (द्वितीय), निरूपा मंडल व यशोदा निषाद (संयुक्त द्वितीय), और रिंकु साहा (तृतीय) विजेता रहीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखा उत्साह हितग्राहियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम में समूह नृत्य, गीत और नाटक की सुंदर झलक देखने को मिली। समूह नृत्य में पूजा, माधुरी, वेदी, सुनीता और सावित्री ने भाग लिया। नाटक में पद्मा, कमला, सागर और पूजा की भूमिका सराहनीय रही। संगीत में विजयलक्ष्मी, पूजा, दीपा, ईश्वरी और रेश्मी ने प्रस्तुति दी। स्टाफ नृत्य में वंदना, धनेश्वरी, त्रिवेणी और मनीषा वर्मा ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों में उत्साह और आत्मबल का संचार हुआ। इस कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया जब राजेश्वरी वर्मा, जो पिछले एक वर्ष से 'अपराजिता' में रह रही थीं, अब अपने पति केदारनाथ वर्मा और बच्चों के साथ अपने गांव जरौदा (धरसीवा) वापस लौटने के लिए तैयार थीं। उनके चेहरे पर परिवार से मिलने की उत्सुकता और संतोष साफझलक रहा था। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विशेषज्ञों ने बताया किः प्रकृति के साथ समय बिताना, अच्छी नींद लेना, और मोबाइल का कम उपयोग करना मानसिक शांति के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की संचालक रोक्तिमा यादव, जिला रायपुर के संयुक्त संचालक अरविंद गेडाम, डॉ. अनिल नायक, संस्था की प्र. अधीक्षक शिखा वर्मा, एवं स्टाफ सदस्य ममता यादव, श्रद्धा, निरूपा, गायत्री आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस शहर एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष के नामों पर चर्चा करने पर्यवेक्षक पहुंचे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान चल रहा है। अभियान के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए राजधानी रायपुर के पर्यवेक्षक प्रफुल्ल गुडाधे पहुंच गए हैं। उन्होंने कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस के नेताओं की बैठक ली।

बताया गया है कि पर्यवेक्षक 20 सितंबर तक नामों का पैनल बनाकर एआईसीसी को सौंप देंगे। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में संगठन सृरायपुर। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत रायपुर शहर से भी कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। इनमें विनोद तिवारी, सुबोध हरितवाल, दीपक मिश्रा, श्रीकुमार मेनन, शिवकुमार ठाकुर, सुनील कुकरेजा, देवेंद्र यादव, घनश्याम राजू तिवारी, नागभूषण राव और पंकज मिश्रा समेत तीन दर्जन वरिष्ठ कांग्रेसी शामिल हैं।

सरगुजा जिले में 2,612 गर्भवती महिलाओं की जांच, हाई रिस्क मामलों में सफल प्रसव से मिला नया जीवन

रायपुर । एक मां की मुस्कान से सिर्फउसका घर ही नहीं, बल्कि पूरा समाज खुशहाल बनता है। इस उद्देश्य को साकार करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सरगुजा जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा है। छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025-26 के अवसर पर 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चले 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' ने नारी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण को नई दिशा दी है। इस विशेष अभियान के दौरान जिलेभर में गर्भवती महिलाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की हैं।

सरगुजा जिले में 2,612 गर्भवती महिलाओं की जांच

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत कुल 2,612 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिनमें से 439 हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के रूप में चिन्हित किया गया। सोनोग्राफी जांच में 425 महिलाओं की जांच की गई, जिनमें दूसरी और तीसरी तिमाही की 220 एवं 205 महिलाओं की स्क्रीनिंग हुई।

विशेषज्ञ स्त्रीरोग चिकित्सकों की टीम ने सभी विकासखंडों में शिविर आयोजित कर गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण काउंसलिंग और उपचार उपलब्ध कराया। इस कार्य में डॉ. किरण भजगावली, डॉ. आर.एस. मरकाम, डॉ. सृष्टि पांडे, डॉ. रजनी किशोर एक्का और डॉ. प्रियंका सिंह सहित अन्य विशेषज्ञों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

हाई रिस्क केस में सफल सर्जरी

सीएचसी सीतापुर में सोनोग्राफी के दौरान दो गंभीर हाई रिस्क मामलों में ग्राम रजोटी की 25 वर्षीय श्रीमती मनीषा और ग्राम ललितपुर की 35 वर्षीय श्रीमती संजयवती को तत्काल सिजेरियन ऑपरेशन की आवश्यकता बताई गई। एफआरयू सीतापुर में निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. रूपक और स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. संयोंगिता पैंकरा की टीम ने दोनों का सफल ऑपरेशन कर मां और नवजात की जिंदगी सुरक्षित की।

स्वास्थ्य शिविरों में रिकॉर्ड सहभागिता

स्वस्थ नारी,सशक्त परिवार अभियान के तहत जिले में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में नागरिकों का उत्साह देखने को मिला। अभियान अंतर्गत कुल ओपीडी मरीज 40,358, उच्च रक्तचाप जांच 82,182, डायबिटीज स्क्रीनिंग 21,741, कैंसर जांच 11,877,क्षएनीमिया जांच 10,073, क्षय रोग जांच 16,572,ज़सिकल सेल जांच 1,994, टीकाकरण 1,214, नेत्र जांच 4,652, निःशुल्क चश्मा वितरण 65, मोतियाबिंद ऑपरेशन 111, वयोवृद्ध कार्ड जारी 156, ब्लड डोनेशन 301 यूनिट एकत्र किया गया।

रजत जयंती व सेवा पखवाड़ा के तहत सामाजिक, राजनीतिक और शासकीय संस्थाओं की भागीदारी से आयोजित रक्तदान शिविरों में 301 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जो थैलेसीमिया, सिकलिंग और अन्य मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अभियान की सफलता के लिए सभी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सहयोगी संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त छत्तीसगढ़ की नींव है। यह अभियान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत जिले में शिक्षण गुणवत्ता सुधार पर की गई गहन

कक्षा 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत रिजल्ट का लक्ष्य तय, अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक

एमसीबी। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान अंतर्गत जिले में शिक्षण स्तर उन्नयन और परीक्षा परिणाम सुधार को लेकर कलेक्टर सभाकक्ष में जिले के सभी प्राचार्यों एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे ने की। बैठक में संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, इंद्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सत्र 2024-25 के बोर्ड परीक्षा परिणाम और परख परीक्षा की समीक्षा की गई।

बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत रिजल्ट का लक्ष्य

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार सभी प्राचार्यों को सत्र 2025-26 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने का लक्ष्य दिया गया। इसके लिए विद्यालय स्तर पर परिणाम सुधार की ठोस रणनीति तैयार की गई है।

मेरिट लाने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित

कक्षा 10वीं और 12वीं की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस जानकारी को विद्यार्थियों तक पहुंचकर उन्हें प्रेरित करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को दिए गए ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी उत्कृष्ट परिणाम लाने के लिए प्रोत्साहित हों।

परीक्षा परिणाम सुधार के लिए ठोस रणनीति

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि तिमाही, छमाही और प्री-बोर्ड परीक्षा के आधार पर 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की मेरिट सूची तैयार की जाएगी और 40 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए रिमेडियल क्लासेस लगाकर उन्हें मुख्यधारा में लाया जाएगा। प्रत्येक शनिवार को प्रश्न बैंक के आधार पर दो विषयों की जांच परीक्षा आयोजित की जाएगी जिससे विद्यार्थियों की कठिनाइयों का समाधान कर उनमें अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ाई जा सके। ब्लूप्रिंट के अनुसार प्रश्न पत्र और प्रश्न बैंक तैयार कर सभी विद्यालयों को उपलब्ध कराने का लक्ष्य भी तय किया गया।

प्रदेश में अब तक 1199.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब तक 1199.3 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक दंतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 1619.1 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 549.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1139.0 मि.मी., बलौदाबाजार में 990.9 मि.मी., गरियाबंद में 1213.6 मि.मी., महासमुंद में 1044.6 मि.मी. और धमतरी में 1142.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1197.3 मि.मी., मुंगेली में 1170.9 मि.मी., रायगढ़ में 1392.3 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1103.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1398.1 मि.मी., सक्ती में 1270.3 मि.मी., कोरबा में 1177.1 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 1104.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 935.9 मि.मी., कबीरधाम में 873.7 मि.मी., राजनांदगांव में 1005.0 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1458.2 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 897.1 मि.मी. और बालोद में 1291.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 798.3 मि.मी., सूरजपुर में 1174.0 मि.मी., बलरामपुर में 1578.4 मि.मी., जशपुर में 1099.3 मि.मी., कोरिया में 1244.6 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1132.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1609.2 मि.मी., कोंडागांव जिले में 1196.8 मि.मी., कांकेर में 1396.9 मि.मी., नारायणपुर में 1468.0 मि.मी., सुकमा जिले में 1291.9 मि.मी. और बीजापुर जिले में 1613.6 मि.मी. की औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

भारत ने वन बेल्ट वन रोड पर फेरा पानी

'अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी देशों में अपना सैन्य ढांचा तैनात करने की किसी देश की कोशिश अस्वीकार्य है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को लाभ नहीं होगा।' ध्यानार्थ है कि हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के बागराम वायु सेना अड्डे को फिर से अमेरिकी नियंत्रण में लेने का इरादा जताया था। तो साफ है, इस मसले पर भारत की सहमति रूस, चीन और पाकिस्तान के साथ है। रूस तालिबान सरकार को मान्यता दे चुका है। चीन और पाकिस्तान बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत जारी चीन- पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर का विस्तार अफगानिस्तान तक करने का निर्णय लेकर तालिबान से अपने तार जोड़ चुके हैं। जबकि अब तक भारत की राय अलग रही है।

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों।

यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात् स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्यः लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है।

विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है।

विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाज़ार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों को एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा का विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या रोक की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो यह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी भलाई में ही अपनी भलाई है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफया प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय नीति का भी आधार बने। विश्व के सभी देश मानकों के निर्धारण में समान भागीदारी करें ताकि कोई भी राष्ट्र या कंपनी इस प्रक्रिया पर वर्चस्व न जमा सके। छोटे और विकासशील देशों को भी अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थाओं में समान अवसर मिले ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से वैश्विक व्यापार में समान रूप से शामिल हो सकें। इसके साथ ही प्रमाणन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि छोटे उद्योग भी मानक के अनुरूप अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। विश्व मानक दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानवता की प्रगति केवल आर्थिक शक्ति में नहीं बल्कि उस सहयोग और विश्वास में है जो मानकीकरण के माध्यम से संभव होता है। अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ जैसी नीतियाँ क्षणिक राजनीतिक लाभ तो दे सकती हैं, पर वे विश्व के समन्वित विकास और आपसी विश्वास को नष्ट करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी राष्ट्र मानकीकरण की भावना को अपनाएँ और विश्व व्यापार को किसी प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध का माध्यम न बनाकर साझेदारी और साझा उन्नति का माध्यम बनाएँ।

मानकीकरण ही वह अदृश्य तंतु एवं बुनियादी आधार है जो दुनिया को एकजुट रखता है। यह न केवल उत्पादन और व्यापार में गुणवत्ता लाता है बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विश्वसनीयता और सुरक्षा का भाव जगाता है। विश्व मानक दिवस इस विचार का प्रतीक है कि जब तक हम समान मानकों और साझा मूल्यों से नहीं जुड़ते, तब तक विश्व की एकता अधूरी है। इसलिए इस दिवस पर यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि हम ऐसी नीतियों से दूर रहें जो विभाजन उत्पन्न करें, और मानकीकरण की उस साझा राह पर चलें जो सबके लिए विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। संपूर्ण मानक प्रणाली सहयोग पर आधारित है।

यह निजी विचार है।

हम युद्ध में लड़े नहीं पर शामिल है!

रुति व्यास

दो साल हो गए है। एक ऐसे युद्ध के, जिसके हम सब, पूरी दुनिया किसी न किसी रूप में गवाह बनी हैं। इसे सभी ने हथियार उठाकर नहीं, बल्कि स्क्रीन उठाए देखा है। हथेली में थमी उस चमकदार स्क्रीन पर हमने सब होते देखा। भय और भयावहता को लाइव फीड की तरह देखा। फिर धीरे-धीरे देखने की आदत ही बना ली!

सात अक्तूबर के दिन जब हमास ने हमला किया तो वह अक्लपनीय था। सब हतप्रभ। कुछ ही घंटों मे 1,200 से अधिक इजराइली मारे गए, ज़्यादातर मासूम नागरिक। घरों में, सड़कों पर, कीबुत्ज़ में, जीवन का उत्सव मनाने वाले एक संगीत समारोह में सभी तरफ। तब दुनिया ने देखा – हमास के लड़ाकों द्वारा युवा महिलाओं को बंदी बनाते हुए। उनमें से एक को निर्वस्त्र कर, बेइज़्ज़ती करते हुए ग़ाज़ा की गलियों में ट्रक पर घुमाया गया। उसके परिवार को खबर तक नहीं थी कि वह मर चुकी है, जबकि दुनिया देख चुकी थी। हमने टीवी पर उस पिता को देखा जो कैमरे के सामने टूट रहा था, अपनी अगवा की गई बेटी के लिए विनती करता हुआ – उसका दुख दुनिया भर में प्रसारित हुआ, और हम सब बस देखते रहे। थोड़े दिन इजराइल का जवाबी हमला तर्कसंगत लगा। एक देश की संप्रभुता, आतंक-विरोध और न्याय की भाषा में ढला हुआ। बेंजामिन नेतन्याहू के इजराइल ने वही अमेरिकी मिसाल दोहराई- अगर अमेरिका 9/11 के बाद अल-कायदा को मिटाने के लिए युद्ध कर सकता है, तो इजराइलनभी हमास को ÷नष्ट÷ करने के लिए कर सकता है। लेकिन इस भाषा के नीचे राजनीति की सुविधा छिपी थी। नेतन्याहू, जो घरेलू भ्रष्टाचार मामलों और विरोध प्रदर्शनों से घिरे थे, उन्हें युद्ध में राहत मिली – एक संकट जो विरोध को निगल गया, एक भय जो जनता को एक साथ बाँध गया। और इसके साथ ही शुरू हुआ दूसरा नरसंहार। इजराइली रॉकेटों ने ग़ाज़ा की बस्तियाँ समतल कर दीं। पूरे-पूरे परिवार एक ही वार में मिट गए। अस्पताल ईंधन के अभाव में अंधेरे में डूब गए। बच्चे तख्तों पर रखकर निकाले गए, राहत-काफ़िले सीमाओं पर रोके गए, शरणार्थी नंगे पाँव मलबे पर चलने लगे। यूनिसेफ़ के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से ग़ाज़ा में 19 हज़ार से अधिक बच्चे मारे गए या लापता हुए हैं। और फिर आई मानव-निर्मित अकाल की त्रासदी। भूखे बच्चे, लापता माता-पिता, और एक ऐसी दुनिया जो न पहुँच सकी, न बोल सकी।

हमने वह दृश्य भी देखा जब अल-जज़ीरा के पत्रकार वायल दहदूह मलबे के बीच खड़े होकर रिपोर्टिंग करते हैं – उसी आवाज़ में जिसमें वे अपनी पत्नी और चार बच्चों की मौत की ख़बर बताते हैं। कुछ दिन पहले, एक और पिता की तस्वीर देखी – अपनी एकमात्र बेटी नूर के लिए विलाप करता हुआ। छह वर्षों के इंतज़ार के बाद मिली वह बच्ची, जिसे उसने मलबे के नीचे खो दिया। माँ, चेहरे पर धूल और अविश्वास लिए, उस खंडहर पर खड़ी थी जिसने उसका पूरा संसार निगल लिया था। बचावकर्मी नंगे हाथों से मलबा खोद रहे थे, जब तक कि उन्हें वह छोटी सी निस्पंद देह नहीं मिली – जीवन रहित, पर माता-पिता अब भी साँस माँग रहे थे जहाँ अब साँस बाकी नहीं थी।

दो साल बीत गए, और हर तस्वीर एक-सी हो गई – भयावह, परिचित, निर्दय। इजराइल में ख़ाली कुर्सियाँ, शब्बात डिनर पर गुम लोग, वे परिवार जो हर सुबह अनुपस्थिति के साथ जागते हैं।

यह निजी विचार है।

सरकार 'शटडाउन' फिर भी अमेरिका चल रहा है!

रजनीश कपूर

महत्वपूर्ण सबक यह निकलता है कि लोकतंत्र में दलगत राजनीति और प्रशासनिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। अमेरिका में शटडाउन अक्सर दोनों दलों, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच वैचारिक टकराव का परिणाम होता है। कर प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा या रक्षा बजट जैसी नीतिगत असहमति वहाँ शटडाउन को जन्म देती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में शासन का संचालन केवल सरकार की नीतियों या सत्तारूढ़ दल की मंशा पर निर्भर नहीं होता, बल्कि संसदीय सहमति, वित्तीय अनुशासन और संस्थागत संतुलन पर भी निर्भर करता है। हर वर्ष अमेरिका में बजट पारित करने की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली तनातनी उसी लोकतांत्रिक संरचना की जटिलता को उजागर करती है। अमेरिका में जब संसद यानी कांग्रेस बजट या खर्च को मंजूरी नहीं देती, तब सरकार के कई विभागों की कार्यवाही आंशिक या पूर्ण रूप से ठप हो जाती है जिसे 'शटडाउन' कहा जाता है। ऐसे में गैर-जरूरी सेवाओं को बंद करना पड़ता है, कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी दी जाती है और केवल अत्यावश्यक सेवाएँ जैसे सुरक्षा, रक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था सीमित रूप में चलती हैं।

इतिहास बताता है कि अमेरिका में 1976 से अब तक दो दर्जन के करीब शटडाउन हो चुके हैं। कई बार ये केवल एक-दो दिन चले तो कई बार हफ्तों तक। उदाहरण के लिए, 2018-19 का ट्रंप प्रशासनकालीन शटडाउन 35 दिनों तक चला, जो अब तक का सबसे लंबा था। परिणामस्वरूप लाखों कर्मियों का वेतन रुका, संघीय एजेंसियाँ बंद हुईं, आर्थिक वृद्धि दर पर असर पड़ा और निवेशकों का भरोसा डगमगाया। वस्तुतः, जब विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अस्थिर होती है, तो बाकी बाजारों में भी अनिश्चितता फैल जाती है।

भारत में भी संसदीय व्यवस्था है, जहाँ बजट संसद में पारित होता है। किंतु यहाँ 'शटडाउन' जैसी कोई स्थिति संवैधानिक रूप से संभव नहीं है, क्योंकि वित्त विधेयक यानी मनी बिल के पास न होने की स्थिति में सरकार का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। दूसरे शब्दों में, यदि वित्त विधेयक पारित नहीं होता तो सरकार तुरंत विश्वास खो देती है और नए चुनाव की घोषणा की जाती है। इसलिए अमेरिका जैसी प्रशासनिक ठहराव की स्थिति भारत में शासन की निरंतरता को पूरी तरह नहीं रोक सकती।

इसके अलावा भारतीय बजटीय प्रणाली अधिक केंद्रीकृत है। राजस्व प्राप्ति, कर निर्धारण और व्यय प्रबंधन की मुख्य शक्ति केंद्र सरकार के पास है। राज्यों को वित्त आयोग और केंद्रीय अनुदान के माध्यम से संसाधन दिए जाते हैं। इस तंत्र में असहमति तो संभव है, लेकिन इसे रोकने के लिए संवैधानिक प्रावधान इतने सशक्त हैं कि पूर्ण सरकारी ठप स्थिति नहीं आती।

फिर भी कल्पना कीजिए कि यदि भारत में किसी कारणवश अमेरिका जैसा 'शटडाउन' लगे तो क्या होगा? सबसे पहले इसके परिणाम सबसे निचले स्तर पर महसूस होंगे; रेलवे, बैंकिंग, डाक, स्वास्थ्य केंद्र, शिक्षा और प्रशासनिक कार्यालयों की सेवाएँ बाधित होंगी। करोड़ों सरकारी कर्मचारी वेतन और पेंशन से वंचित होंगे, जिससे प्रत्यक्ष उपभोग घटेगा और बाजार में तरलता संकट बढ़ेगा। इसके साथ ही औद्योगिक उत्पादन और व्यापार पर भी असर पड़ेगा क्योंकि सरकारी आदेश, अनुबंध और सार्वजनिक निवेश रुक जाएंगे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था की स्थिति तो और भी नाजुक हो जाएगी, क्योंकि कृषि समर्थन मूल्य, मनरेगा और सब्सिडी जैसी योजनाएँ केंद्र की भुगतान प्रक्रिया पर निर्भर हैं।

सरकार चाहे किसी भी दल की हो राजनीतिक रूप से, यह स्थिति भारी अस्थिरता पैदा करेगी। भारतीय जनता के बीच शासन पर से विश्वास उठना शुरू हो जाएगा। विपक्ष इसे सत्तारूढ़ दल की विफलता बताकर जनाक्रोश भड़का सकता है, राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ भारत को अस्थिर अर्थव्यवस्था मान सकती हैं, जिससे पूंजी प्रवाह रुक जाएगा। इस तरह एक 'शटडाउन' भारत की अर्थव्यवस्था को करारा झटका दे सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर बजट पारित न होने पर भी राज्यों या स्थानीय सरकारों की गतिविधियाँ कुछ हद तक जारी रह सकती हैं, क्योंकि उनकी वित्तीय स्वायत्तता अधिक है। वहीं, भारत में अधिकांश योजनाएँ केंद्र पर निर्भर हैं। केंद्र और राज्य दोनों के बीच वित्तीय संसाधनों की साझेदारी स्पष्ट रूप से परिभाषित है। यदि केंद्र की निधि रुक जाए, तो राज्यों के संचालन पर भी असर पड़ेगा। इसलिए किसी काल्पनिक 'भारतीय शटडाउन' का असर अमेरिका के मुकाबले कई गुना व्यापक और गंभीर होगा।

इस तुलना से एक महत्वपूर्ण सबक यह निकलता है कि लोकतंत्र में दलगत राजनीति और प्रशासनिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक है। अमेरिका में शटडाउन अक्सर दोनों दलों, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच वैचारिक टकराव का परिणाम होता है। कर प्रणाली, सामाजिक सुरक्षा या रक्षा बजट जैसी नीतिगत असहमति वहाँ शटडाउन को जन्म देती है।

भारत में भी संसदीय गतिरोध, हंगामा, या सत्रों का समय नष्ट होना आम है, परंतु यहाँ बजट अवरुद्ध नहीं हो पाता। हालांकि, यह बात सोचने योग्य है कि यदि भारतीय राजनीतिक दल भी अमेरिकी पद्धति की तरह केवल विरोध के लिए विरोध करने लगें, तो नीति निर्धारण की गति पर गंभीर असर पड़ सकता है। भारत को इस खतरे से बचाने के लिए आवश्यक है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आर्थिक नीति पर सहमति बनाएँ। कार्यपालिका और विपक्ष दोनों राष्ट्र की दीर्घकालिक शक्ति का आधार है।

भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यही है कि राजनीतिक विवेक और आर्थिक जिम्मेदारी का सामंजस्य बनाए राष्ट्र संचालन की साझा ज़िम्मेदारी है। यदि इस संतुलन को हमने बनाए रखा, तो अमेरिकी 'शटडाउन' जैसे खतरे कभी भारतीय लोकतंत्र के माथे पर न आएँगे।

यह निजी विचार है।

बांटो, लड़ाओ, खरीदो और बनाओ गंवार!

हरिशंकर व्यास

सोचें, भारत में सामाजिक (हिंदू) समरसता का कौन सा मॉडल प्रदेश है? मेरा मानना है मध्य प्रदेश! और वहां अभी क्या हल्ला हुआ? भाजपा ने ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ा कर 27 प्रतिशत करने के कमलनाथ सरकार के पुराने फैसले पर सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद की है कि ÷कांग्रेस कई वर्षों तक सत्ता में रही लेकिन उसने किसी वर्ग के साथ न्याय नहीं किया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है और हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। हमें उम्मीद है कि अदालत मध्यप्रदेश में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी देगी÷। अर्थात भाजपा/संघ परिवार/ मोहन यादव सरकार राज्य की ओबीसी (51 प्रतिशत), अनुसूचित जाति (एससी) 15.6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) 21.1 प्रतिशत के तीनों वर्गों की राज्य में कथित 87 प्रतिशत आबादी के अनुपात में आगे आरक्षण का झुनझुना/रोडमैप सोचे हुए है। और यह सब मोदी सरकार की 11 वर्षों की राजनीति का नतीजा है। जैसे भी हो सत्ता बनाए रखने की जिद्द की इस राजनीति ने कांग्रेस और राहुल गांधी को यदि ÷जितनी आबादी, उतना हक़÷ के एजेंडे की ओर धकेला है तो सुप्रीम कोर्ट तथा जनगणना से भाजपा हिंदू समाज को आगे और बिखेरने वाली है।

कैसे? मोदी सरकार 2027 में जनगणना कराएगी। अंग्रेजों की कराई 1931 की जाति जनगणना के लगभग सौ साल बाद स्वतंत्र भारत की पहली बार फिर जाति जनगणना होगी। यह जनगणना जाति के साथ उपजाति, पिछड़े, अतिपिछड़े जैसे अलग-अलग समूहों के खांचों में होगी। जैसे कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार लिंगायतों को बांटने, हिंदू धर्म से उन्हें अलग करने, लिंगायत के भीतर लिंगायत बनाम वीरशैव का झगड़ा बनाने की कोशिश में है वैसे ही अगली जनगणना में पिछड़ों में अति पिछड़ों का वर्गीकरण भी बनेगा। मतलब अति पिछड़ों के वर्गीकरण में यदि हिंदू जाट की उपजातियों जैसे बैंस, भुल्लर, अटवाल आदि की आर्थिक हैसियत के आगे पिछड़े, अति पिछड़े जाट के समूह बने तो आश्चर्य नहीं होगा! क्योंकि जाति जनगणना के पीछे एकमेव मंत्र 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले हिंदुओं को इतना और बांटना है कि मोदी नए वर्ण विभाजन के फार्मूलों में योजना, स्कीम बना कर लोगों के खाते में पैसे डालने के नए फैसले ले सकें, जिससे वोट पके। मतलब ताजा बिहार मॉडल की तरह 2029 में अखिल भारतीय स्तर पर बांटो, लडाओ (जातीय पहचान-हक-आरक्षण की भूख में) के साथ स्कीमों व आरक्षण के जरिए वोट पटाने का महाअभियान! मतलब राहुल गांधी, कांग्रेस, तेजस्वी याकि जातीय-क्षेत्रिय राजनीति के धुरंधरों की पिछड़ा-दलित-आदिवासी राजनीति को जनगणना और उसके बाई प्रोडक्ट की योजनाओं-घोषणाओं-झांसों के महाप्रोपेगेंडा से खारिज करा देना।

भयावह सिनेरियो है। मगर अंग्रेजों ने जैसे 1905 में बंग-भंग से बीज बो कर 1947 में हिंदू-मुस्लिम विभाजन तय कराया वैसे नरेंद्र मोदी दिल्ली के वे आखिरी हिंदू शासक संभावी हैं, जिनकी जातीय जनगणना और जातीय आरक्षण की आग में हिंदू राष्ट्रवाद वैसे ही मिट्टी में मिलेगा देने जैसे पृथ्वीराज चौहान के आखिरी शासन की आखिरी हिंदू सत्ता थी! विदेशी गुलामी से पहले की!

सोचें, हिंदू मोदी राज में कैसा-क्या है? आरक्षण व्यवस्था लागू होने के 75 वर्ष बाद भारत का दलित चीफ जस्टिस, दलित आईपीएस एडीजीपी, एक दलित कांस्टेबल की हालिया प्रतिनिधि घटनाओं, व्यवहार, अनुभव से क्या यह नहीं मालूम होता कि आरक्षण व्यवस्था पूरी तरह फेल है! इसने हिंदू समाज में समानता की बजाय समरसता, परस्पर मान-सम्मान, सद्भावपूर्ण व्यवहार को न केवल और खराब किया है, बल्कि जातीय पूर्वाग्रहों, वैमनस्य, दुराव, नीचताओं की हद पार करा दी है।

सचमुच हर हिंदू को (÷जितनी आबादी, उतना हक़÷ का सामाजिक न्याय चाहने वालों को अवश्य) हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस एडीजीपी पुरण कुमार के सुसाइड नोट तथा घटना के बाद उनकी पत्नी आईएएस अधिकारी अनमित कुमार की शिकायत-एफआईआर को पढ़ना चाहिए। समझ आएगा कि आरक्षण की व्यवस्था ने हिंदू समाज को मानसिक उत्पीडन की भट्ठी बना दिया है। पूरा समाज, पूरी आबादी जल रही है, खोखला गई है। जिसे आरक्षण मिला और जिसे नहीं मिला, सभी भूख, उत्पीडन, जलालत, भेदभाव की भट्ठी में जलते हुए है। सोचें, भारत के चीफ जस्टिस गवई पर! भारत राष्ट्र की सत्ता-व्यवस्था के एक स्तंभ न्यायपालिका के प्रमुख। वे आरक्षण से नहीं बने। पर आरक्षण से चिन्हित हुई जाति के वे पर्याय दलित हैं तो उन पर जूता फेंकना सोशल मीडिया में आज तर्कसंगत व प्रशंसनीय है या फिर हिंदू धर्म को गालियां हैं तो सत्य क्या जाहिर? पूरा समाज ही आरक्षण से मानसिक रोगी है। सोचें, तब भारत राष्ट्र-राज्य कैसा रोगी, खोखला, अशक्त और असहाय है! इसे नई ऊंचाईयां मोदी राज से हैं। नरेंद्र मोदी से पहले तक कांग्रेस, भाजपा, लेफ्ट के राष्ट्रीय राजनीति के नैरेटिव में मंडल-कमंडल दोनों सीमाबद्ध थे। पर अब यदि राहुल गांधी का ÷जितनी आबादी, उतना हक़÷ का पागलपन है तो वजह मोदी-शाह द्वारा जात राजनीति, पिछड़ावाद से वोट प्रबंधन हैं। मोदी सरकार ने पूरी राजनीति को ही जब धर्म, जात, पैसे और लोगों को गंवार बनाने के प्रोपेगेंडा की फैक्टरी में कनवर्ट कर दिया है तो विपक्ष क्या करेगा? **यह निजी विचार है।**

भारत सरकार ने भारत–एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अंतर्गतवैश्विक इम्पैक्ट चुनौतियों के लिए आवेदन आमंत्रित

पीआईबी ।

सामाजिक और आर्थिक प्रभाव की उच्च क्षमता वाले एआई संचालित समाधान विकसित करके अपने विचारों को बढ़ाने के लिए नवप्रवर्तकों को मार्गदर्शन, निवेशक पहुंच और एक वैश्विक मंच प्रदान करने की चुनौतियां।

राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरतों के लिए 'एआई फॉर ऑल' है; 'एआई बाय एचईआर' का लक्ष्य महिला-नेतृत्व वाले एआई नवाचार को मजबूत करना है; 'वाईयूवीएआई' युवा नवप्रवर्तकों को सार्वजनिक कल्याण के लिए एआई समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करेगा।

समावेशी, उत्तरदायी और स्केलेबल एआई नवाचार में तेजी लाने के लिए वैश्विक एआई चुनौतियां, नवप्रवर्तकों को मार्गदर्शन, निवेशक पहुंच और वैश्विक मंच प्रदान करना।

पीआईबी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा सितंबर 2025 में घोषित तीन प्रमुख ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज के लिए आवेदन अब खुल चुके हैं और इसके अंतर्गत कुल 5.85 करोड़ रूपए मूल्य के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। तीन पहलों, एआई फॉर ऑलः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज, एआई बाय एचईआरः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज, और वाईयूवीएआईः ग्लोबल यूथ चैलेंज, का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक प्रभाव की उच्च क्षमता वाले परिवर्तनकारी एआई-संचालित समाधानों की पहचान, पोषण और प्रदर्शन करना है। ये कार्यक्रम नवप्रवर्तकों को मार्गदर्शन, निवेशकों तक पहुंच और अपने विचारों को आगे बढ़ाने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करेंगे। ये चुनौतियां आधिकारिक शिखर सम्मेलन वेबसाइटः https//impact.indiaai.gov.in/ पर लाइव हैं।

वैश्विक प्रभाव चुनौतियां समावेशी, ज़िम्मेदार और मापनीय एआई नवाचार को गति देने के लिए तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता में ऐसे अभूतपूर्व विचारों को प्रेरित और समर्थन देना है जो सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को गति प्रदान कर सकें। चयनित नवाचारों को 19-20 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारत-एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 में प्रदर्शित किया जाएगा।

तीन प्रमुख वैश्विक प्रभाव चुनौतियां क्या हैं?

1) सभी के लिए एआईः वैश्विक प्रभाव चुनौती

एआई नवाचारों के लिए एक वैश्विक आह्वान जो व्यापक स्तर पर उच्च संभावित मूल्य प्रदर्शित करते हैं और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। यह चुनौती कृषि, जलवायु एवं स्थिरता, शिक्षा, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, शहरी अवसंरचना एवं गतिशीलता, और वाइल्डकार्ड/ओपन इनोवेशन ट्रैक जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कार्यान्वित करने योग्य एआई समाधानों को आमंत्रित करती है।

पुरस्कार एवं समर्थनः शीर्ष 10 विजेताओं को 2.5 करोड़ रुपये तक का पुरस्कार दिया जाएगा।

20 फाइनलिस्ट (प्रत्येक में अधिकतम दो सदस्य) को भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेने के लिए यात्रा सहायता मिलेगी।

मेंटरशिप, निवेशक संपर्क, कंप्यूट/क्लाउड क्रेडिट और शिखर सम्मेलन के पश्चात त्वरित मार्गों तक पहुंच।

पात्रताः यह अवसर वैश्विक स्तर पर छात्रों, शोधकर्ताओं, कार्यरत पेशेवरों, कंपनियों और स्टार्टअप्स के लिए खुला है जिनके पास पायलट स्तर पर या व्यापक स्तर पर उपयोग के लिए तैयार एआई समाधान हैं।

यहाँ आवेदन करें

2) एआई बाय एचईआरः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज

नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) द्वारा अन्य ज्ञान साझेदारों के सहयोग से आयोजित, महिलाओं के नेतृत्व वाले एआई नवाचारों की श्रृंखला को मज़बूत करने के लिए एक समर्पित चुनौती। आवेदकों को कृषि, साइबर सुरक्षा और डिजिटल कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा और जलवायु, तथा वाइल्डकार्ड/ओपन इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में ठोस सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले एआई समाधान प्रस्तावित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

पुरस्कार एवं समर्थनः

शीर्ष 10 विजेताओं को 2.5 करोड़ रुपये तक का पुरस्कार दिया जाएगा।

शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 30 फाइनलिस्ट (प्रत्येक में अधिकतम दो सदस्य) को यात्रा सहायता दी जाएगी।

उत्तरदायी एआई, निवेशक तत्परता और कहानी कहने पर वर्चुअल बूटकैम्प।

30 उच्च-संभावित टीमों के लिए निवेशक संलग्नताएं तैयार की गईं।

पात्रताः महिलाओं के नेतृत्व वाली टीमों, छात्र टीमों, या महिलाओं के नेतृत्व वाली संस्थाओं के लिए, जिनके पास एक कार्यशील प्रोटोटाइप या परिपक्व एआई समाधान हो, विश्व स्तर पर खुला है।

यहां आवेदन करें

3) वाईयूवीएआईः वैश्विक युवा चुनौती

13-21 वर्ष की आयु के युवा नवप्रवर्तकों (व्यक्तिगत या अधिकतम दो लोगों की टीम) को जनहित के लिए एआई समाधान विकसित करने हेतु प्रोत्साहित करने हेतु डिज़ाइन की गई एक युवा-प्रथम पहल। इसके सांकेतिक विषयों में लोगों और समुदायों को सशक्त बनाना, प्रमुख क्षेत्रों में बदलाव लाना और भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे और स्मार्ट इकोसिस्टम के निर्माण के साथ ही एक वाइल्डकार्ड/ओपन इनोवेशन श्रेणी शामिल है।

पुरस्कार एवं समर्थनः

कुल 85 लाख रुपये के पुरस्कार, जिनमें शामिल हैंः शीर्ष 3 विजेताओं में से प्रत्येक को 15 लाख रुपये अगले 3 विजेताओं में से प्रत्येक को 10 लाख रुपये 5 लाख रुपये प्रत्येक के 2 विशेष मान्यता पुरस्कार शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शीर्ष 20 प्रतिभागियों को यात्रा सहायता दी जाएगी।

10-दिवसीय वर्चुअल बूटकैम्प, निवेशक प्रदर्शन के अवसर, तथा एक स्थायी ऑनलाइन शोकेस और संग्रह प्रकाशन।

पात्रताः 13-21 वर्ष की आयु के युवा नवप्रवर्तकों के लिए, जिनके पास कार्यशील प्रोटोटाइप, पीओसी या परिनियोजन योग्य समाधान हों, विश्व स्तर पर खुला है।

यहां आवेदन करें

समयसीमा और प्रमुख तिथियां

आवेदन खुलने की तिथिः 10 अक्टूबर, 2025

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथिः 31 अक्टूबर, 2025

वर्चुअल बूटकैंपः नवंबर 2025

फाइनलिस्ट की घोषणाः 31 दिसंबर, 2025 तक

भव्य प्रदर्शनः भारत-एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 (16-20 फरवरी, 2026, नई दिल्ली)

आवेदन कैसे करें

तीनों ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज के लिए आवेदन आधिकारिक पोर्टल www.impact.indiaai.gov.in के माध्यम से प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश के सबसे बड़े स्कूल नवाचार आंदोलन विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 का उद्घाटन किया

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा - हमारे प्रतिभाशाली स्कूली छात्र विकसित और समृद्ध भारत का निर्माण करेंगे

पीआईबी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज नई दिल्ली में विकसित भारत बिल्डथॉन (वीबीबी) 2025 का उद्घाटन किया। स्कूली छात्रों के लिए भारत के सबसे बड़े समन्वित नवाचार हैकाथॉन- विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 में 3 लाख से ज़्यादा स्कूलों ने एक साथ भाग लिया। श्री धर्मेंद्र प्रधान ने उद्घाटन सत्र के दौरान, ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित खोरदा के पीएम श्री गवर्नमेंट हाई स्कूल के छात्रों के साथ बातचीत की। श्री प्रधान ने अपने संबोधन में इस विशाल स्कूल नवाचार पहल में उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए देश भर के 3 लाख से अधिक स्कूलों और प्रतिभागी छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां से निकले नवोन्मेषी विचार नए वैश्विक मॉडल बनाने और घरेलू एवं वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे प्रतिभाशाली स्कूली छात्र एक विकसित और समृद्ध भारत का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत का सपना वीबीबी जैसे परिवर्तनकारी प्रयासों के माध्यम से साकार होगा। केन्द्रीय मंत्री ने छात्रों से देश के भविष्य को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव श्री संजय कुमार ने अपने संबोधन के दौरान इस पहल में देश भर के छात्रों की भागीदारी और प्रयासों की सराहना की। श्री कुमार ने यह भी कहा कि यह अनूठा अभियान छात्रों की सीखने की क्षमता को बढ़ाएगा और उनके नवोन्मेषी दृष्टिकोण को मज़बूत करेगा। श्री कुमार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। अटल नवाचार मिशन के मिशन निदेशक श्री दीपक बागला ने वीबीबी के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बिल्डथॉन नवाचार को एक जन आंदोलन बना देगा। उन्होंने यह भी कहा कि इससे दूरदराज के गांवों के स्कूलों को महानगरों के स्कूलों से जुड़ेंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान में प्रशासनिक भवन का उद्घाटन करेंगे

14 अक्टूबर को प्रवास के दौरान श्री शिवराज सिंह ग्रामीणों, स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से भी करेंगे चर्चा

श्री शिवराज सिंह बाढ़ प्रभावितों निवासियों के मकानों के पुनर्निर्माण के लिए मौके पर ही स्वीकृति पत्र सौपेंगे

पीआईबी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 14 अक्टूबर को लुधियाना (पंजाब) के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अनेक कार्यक्रमों में सहभागिता करेंगे एवं अग्रणी कृषि संस्थानों का दौरा करने के साथ किसानों व दीदियों से संवाद भी करेंगे। साथ ही, पंजाब के बाढ़ प्रभावितों निवासियों के मकानों के पुनर्निर्माण के लिए मौके पर केंद्र की ओर से मंजूरी पत्र सौपेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सुबह दिल्ली से प्रस्थान कर चंडीगढ़ होते हुए लुधियाना पहुंचेंगे। उनके लुधियाना कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन के उद्घाटन से होगी। इसी संस्थान परिसर में वे ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण योजनाओं के लाभार्थियों और महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से संवाद भी करेंगे। इसके बाद शिवराज सिंह पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे, जिसमें वे केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि एवं ग्रामीण विकास पहलों तथा पंजाब क्षेत्र के लिए योजनाओं की जानकारी साझा करेंगे।

दोपहर में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ग्राम नूरपुर बेट, लुधियाना में किसानों से चौपाल पर चर्चा करेंगे। इस मौके पर धान की कटाई के लिए एसएसएमएस फिटेड कंबाइन हार्वेस्टर और गेहूं की बुआई के लिए हैप्पी स्मार्ट सीडर मशीन का लाइव डेमो प्रस्तुत किया जाएगा। तत्पश्चात, शिवराज सिंह डोराहा में ÷समन्यु हनी÷ मधुमक्खी पालन केंद्र का अवलोकन करेंगे, जहां वे क्षेत्र के किसानों से संवाद कर इस व्यवसाय के नए मॉडल और नवाचारों की जानकारी प्राप्त करेंगे और उनसे कृषि मंत्रालय की संबंधित योजनाओं के बारे में भी चर्चा करेंगे।

(13कैप्शन12)केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान नई दिल्ली में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर 2, दिल्ली कैंट में विकसित भारत बिल्डथॉन-2025 के तहत आयोजित मेगा स्कूल इनोवेशन इवेंट के मौके पर दौरा करते हुए।

(12कैप्शन15)केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा मामले एवं खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मंडाविया नई दिल्ली में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में उद्गार युवा महोत्सव के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान ने दो दिवसीय राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन का विषय 'सेवाओं तक पहुँच – आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य' था

पीआईबी

कोट्टायम स्थित राष्ट्रीय होम्योपैथी मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच), जो आयुष मंत्रालय के अधीन केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) की शीर्ष संस्था है, ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन का आयोजन किया। यह आयोजन 10 और 11 अक्टूबर 2025 को कोट्टायम के एनएचआरआईएमएच सभागार में किया गया, जिसका मुख्य विषय 'सेवाओं तक पहुँचः आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य' था।

इस सम्मेलन में देश भर से होम्योपैथी और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ, शोधकर्ता और चिकित्सक एक साथ आए। इस सम्मेलन में मनोरोग संबंधी आपात स्थितियों में होम्योपैथी की बढ़ती प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित किया गया और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए नवीन अनुसंधान और एकीकृत दृष्टिकोणों पर चर्चा की गई। आपदा और आपातकालीन स्थितियों में एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य

देखभाल पर राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन सत्र कोट्टायम स्थित एनएचआरआईएमएच में आयोजित किया गया, जिसमें देश भर के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।

सीसीआरएच, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने मजबूत शोध साक्ष्यों के आधार पर, विशेष रूप से आपदा-पश्चात पुनर्वास और रेजिलिअंस निर्माण में, मनोसामाजिक देखभाल ढाँचों में होम्योपैथी को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री चेतन कुमार मीणा, आईएएस, जिला कलेक्टर, कोट्टायम, ने सम्?मानित अतिथि के रूप में इस सम्?मेलन में भाग लिया। उन्होंने एकीकृत मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने में एनएचआरआईएमएच के निरंतर प्रयासों की सराहना की और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए आपदा प्रतिक्रिया रणनीतियों में होम्योपैथी को शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. देबदत्त नायक, सहायक निदेशक (स्वास्थ्य) और प्रभारी अधिकारी, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने सम्मेलन के विषय की वैश्विक प्रासंगिकता और आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की तात?कालिक आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. आर. सिथार्थन, प्रधानाचार्य, एनएचआरआईएमएच, कोट्टायम ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और कार्यक्रम की सफलता में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजन दल के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहले दिन सम्मेलन में आपदा मानसिक स्वास्थ्यः वास?तविक अनुभव और उभरते रुझान; जल विज्ञान संबंधी आपदाओं में मनोरोग संबंधी संकटः वायनाड, केरल में समुदाय-आधारित प्रबंधन; आपदा प्रबंधन में होम्योपैथिक दृष्टिकोण; संकट की स्थितियों में मजबूती; होम्योपैथी में एन-ऑफ1 परीक्षण और ट्रांसलेशनल नेटवर्क; और एडीएचडी में भावनात्मक असंतुलन और उसका होम्योपैथिक उपचार जैसे विषयों पर वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए।

बिहार में आम चुनाव के पहले चरण के लिए रैंडम तरीके से ईवीएम-वीवीपैट का पहला प्रयोग संपन्न; राजनीतिक दलों के साथ सूचियां साझा की गईं

पीआईबी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के निर्देशानुसार, प्रथम चरण में चुनाव वाले बिहार के सभी 18 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) ने 11 अक्टूबर, 2025 को प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) में उत्तीर्ण ईवीएम-वीवीपीएटी का रैंडम तरीके से पहला प्रयोग पूरा कर लिया है। प्रथम रैंडमाइजेशन राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा ईवीएम प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के माध्यम से किया गया। प्रथम रैंडमाइजेशन के बाद, कुल 54,311 बैलट यूनिट (बीयू), 54,311 नियंत्रण यूनिट (सीयू) और 58,123 वीवीपीएटी को 45,336 मतदान केंद्रों वाले 121 विधानसभा क्षेत्रों में रैंडम रूप से आवंटित किया गया। यादृच्छिक ईवीएम और वीवीपीएटी की निर्वाचन क्षेत्रवार सूची सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उनके संबंधित जिला मुख्यालयों पर साझा की गई। इन ईवीएम और वीवीपीएटी को राष्ट्रीय और राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संबंधित विधानसभा के स्ट्रांग रूम में संग्रहित किया जाएगा।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

दो अपहृत नाबालिक बालिका को बलौदा एवं पामगढ़ पुलिस ने किया बरामद

दो आरोपीयों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जांजगीर चांपा /

अलग अलग जगह से अपहृत दो बालिका को बलौदा एवं पामगढ़ पुलिस ने बरामद कर दो आरोपीयों को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपीयों में हिमांशु कुमार बंजारे निवासी ग्राम सेमरिया थाना पामगढ , रूपेश कुमार माथुर ग्राम पहरिया थाना बलौदा शामिल है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आरोपी हिमांशु कुमार द्वारा नाबालिक बालिका को दिनांक 2मार्च 25 की रात्रि में बहला फुसलाकर भगा ले गया था जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना पामगढ मे अपराध क्रमांक 74/2025 धारा 137(2) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया था। इसी प्रकार आरोपी रूपेश कुमार माथुर निवासी पहरिया द्वारा दिनांक 30 सितंबर 2025 की रात्रि में एक नाबालिक बालिका को बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने की सूचना रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 398/25 धारा 137 (2) BNS का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया था। नाबालिक बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए विवेचना दौरान अपहृत बालिकाओं को बरामद कर दोनों आरोपियों से पूछताछ करने पर शादी करने का झांसा देकर भगा ले जाकर अनाचार करना जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, निरीक्षक मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ़ का विशेष योगदान रहा।

रातभर चली रामायण भजनों की प्रस्तुति.....

नीलम सिंह यादव जूनियर रविंद्र जैन ने किया मंत्रमुग्ध....

जांजगीर नैला।

नैला में चल रहे नवधा रामायण महोत्सव के तहत शनिवार 11 अक्टूबर की रात्रि में अशोकनगर (मध्यप्रदेश) से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक नीलम सिंह यादव (जूनियर रविंद्र जैन) ने अपनी मधुर वाणी में रामायण भजनों की ऐसी प्रस्तुति दी। भजन सुनकर पूरा पंडाल भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उन्होंने हनुमान चालीसा से किया, जिसके बाद एक के बाद एक भजनों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने कंधे पर दो वीर बिठाकर चाले वीर हनुमान, ऐसे भक्त कहां जग में, ऐसी भगवान विधना तेरे लेख किसी के समझ ना आते हैं, और जन-जन के प्रिया राम लखन सिया वन को जाते हैं जैसे अमर भजनों की प्रस्तुति दी। उनके स्वर और संगीत ने ऐसा वातावरण निर्मित किया कि देर रात तक श्रोता मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे। नीलम सिंह यादव ने रामानंद सागर कृत रामचरितमानस के नैला में चल रहे नवधा रामायण में भजनों की प्रस्तुति देते जुनियर रविन्द्र जैन नीलम सिंह यादव। रविंद्र जैन द्वारा गाए प्रसिद्ध भजनों को अपनी शैली में प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मानो उस युग में पहुंचा दिया। इसके साथ ही उन्होंने कृष्ण भक्ति से जुड़े भजनों और राम तेरी गंगा मैली हो गई, देर ना हो जाए कहीं देर ना हो जाए जैसे गीतों से भी दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम देर रात 1 बजे तक चला, जिसमें उपस्थित जनसमूह देर रात तक थिरकता और भक्ति रस में डूबा रहा। अगले दिन रविवार 12 अक्टूबर को भी सुबह 11 बजे से 12 बजे तक नीलम सिंह यादव ने अपने भजनों की विशेष प्रस्तुति दी, जिसने फिर से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यपऔर समिति के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समाजसेवी राजेश पालीवाल एवं समिति की ओर से गायक नीलम सिंह यादव का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। भक्ति, संगीत और आस्था के संगम से सजा यह कार्यक्रम देर रात तक श्रद्धा और उल्लास का प्रतीक बना रहा। नवधा रामायण का विश्राम 14 अक्टूबर को सहस्त्र धारा ,हवन एवं ब्राह्मण भोज के साथ होगा।

अपर कलेक्टर ने सुनी आमजनों की शिकायत एवं समस्याएं

आज जनदर्शन में कुल 62 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के दुरस्थ स्थलों से आए आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं को सुना। आज जनदर्शन में कुल 62 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर उपस्थित थे। जनदर्शन में आज तहसील जांजगीर के ग्राम खोखरा निवासी श्री रमाशंकर कटकवार द्वारा राशन कार्ड बनवाने एवं दिव्यांग पेंशन दिलाने, तहसील बलौदा के ग्राम औराईखुर्द निवासी श्री घनेश्वर दास द्वारा बेजा कब्जा हटाने, जनपद पंचायत बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम देवरी निवासी श्री गणपत सूर्यवंशी द्वारा श्री राम लाल दर्शन योजना के तहत लाभ दिलाने, तहसील अकलतरा के ग्राम पंचायत कटनी (देवरी) निवासी श्रीमती अर्चना बाई द्वारा आवास प्लस में नाम जुड़वाने, तहसील चांपा के ग्राम हथनेवरा निवासी केवल प्रसाद सूर्यवंशी द्वारा सीमांकन करवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

आगामी दीपावली पर्व के दृष्टिगत अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में दिशा निर्देश जारी

जांजगीर-चांपा /

आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर जिले में पटाखों के सुरक्षित उपयोग व अग्नि सुरक्षा के उपायों के संबंध में नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी सुश्री योग्यता साहू ने नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही गुणवत्ता युक्त पटाखे खरीदें, ताकि दुर्घटनाओं के जोखिम को कम किया जा सके। पटाखे हमेशा खुले स्थानों जैसे पार्क या मैदानों में ही जलाएं, इमारतों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर रहें। पटाखे जलाते समय पास में पानी की बाल्टी या रेत रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत उपयोग किया जा सके। साथ ही, सुती वस्त्र पहनने को प्राथमिकता दें, क्योंकि सिंथेटिक कपड़े आसानी से आग पकड़ लेते हैं। पटाखे जलाते समय हमेशा किसी व्यस्क की देखरेख में ही बच्चे पटाखे चलाएं। इस्तेमाल किए गए पटाखों को पानी की बाल्टी में डालकर सुरक्षित तरीके से निपटान करें, ताकि किसी चिंगारी से आगजनी की घटना न हो। उन्होंने कहा कि एक समय में एक ही पटाखा जलाएं और आग लगाने के बाद उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। साथ ही, हवा की दिशा का ध्यान रखें, जिससे कि चिंगारियां घरों या व्यक्तियों की ओर न उड़ें।

क्या न करें - जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी बताया कि घर के

अंदर, खिड़कियों के पास या बंद स्थानों पर पटाखे न जलाएं। पटाखे जलाते समय ढीले या लटकने वाले वस्त्र पहनने से बचें, क्योंकि वे आसानी से आग पकड़ सकते हैं। ज्वलनशील पदार्थों, सूखी पत्तियों, गैस सिलेंडर या वाहनों के पास पटाखे न जलाएं। यदि कोई पटाखा नहीं जलता है, तो उसे दोबारा जलाने का प्रयास न करें, बल्कि कुछ देर प्रतीक्षा कर सुरक्षित रूप से उसका निपटान करें। इसके अलावा, तेल के दीये या मोमबत्तियां जलाते समय उन्हें उपेक्षित न छोड़ें, विशेष रूप से पर्दों या ज्वलनशील पदार्थों के पास। किसी भी प्रकार की चोट या जलने की स्थिति में तुरंत चिकित्सक की सलाह लें और बिना सलाह के घरेलू उपचार करने से बचे।

राष्ट्रीय टास्क फोर्स की वेबसाइट का शुभारंभ

जांजगीर-चांपा / उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा 08 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय टास्क फ र्स की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया है। जिला बाल सरंक्षरण अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय टास्क फोर्स की वेबसाइट URL//ntf.education.gov.in पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, संस्थागत प्रतिनिधियों, उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों के लिए एक केंद्रीय मंच तैयार किया गया है, जहाँ से वे मानसिक स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण में सुधार से संबंधित अपने विचार और सुझाव साझा कर सकते हैं। जानकारी एकत्र करने हेतु वेबसाइट पर अंग्रेजी एवं हिंदी, दोनों भाषाओं में ऑनलाइन सर्वेक्षण प्रश्नावली उपलब्ध कराई गई है। इसका उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं तथा संस्थागत प्रतिनिधियों के विचारों को एकत्रित कर नीति निर्माण में उपयोग करना है। जिले के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं एवं स्वयंसेवी संगठनों से आग्रह किया है कि वे उक्त लिंक के माध्यम से अपने सुझाव एवं जानकारी अपडेट करें, ताकि छात्र कल्याण एवं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में ठोस सुधार किया जा सके।

अखंड नवधा रामायण डोंगाकोहरौद में गांव के बुजुर्ग मालगुजार मानस प्रेमी श्री झुमुक लाल कौशिक द्वारा अतिथि मानस प्रेमी का श्रीफल से सम्मान ।

माता पिता की परिक्रमा से गणेशजी ने कर ली पृथ्वी की परिक्रमा

जांजगीर चाम्पा।

ग्राम बनारी में तिवारी परिवार द्वारा आयोजित शिव महापुराण की कथा के छठवें दिन व्यास आचार्य मनोज पांडे ने शिव पार्वती विवाह और गणेश, कार्तिकेय जन्म की कथा का वर्णन किया।

आचार्य पांडेय ने कहा कि भगवान शिव जी परब्रह्म स्वरूप हैं। हिंदू धर्म में, सनातन धर्म में बहु देव वाद होते हुए भी एकेश्वर वाद है। हिंदू धर्म में ब्रह्म एक ही है,लेकिन उनके पांच स्वरूप सगुण रूप में प्रकट होते हैं ।इनमें पहला भगवान विष्णु जी, दूसरे भगवान सूर्य जी, तीसरे में भगवती शक्ति, चौथे गणेश जी और पांचवें भगवान शिव जी। यह पांचो देव ब्रह्म की शक्तियों से संपन्न है, परिपूर्ण है।

सृष्टि के तीनों कार्य सृष्टि, स्थिति और विनाश ये तीनों को करने में यह पांचो समर्थ हैं । आचार्य श्री ने कहा कि भगवान शिव जी का परिवार अद्भुत है, उनके परिवार में ब्रह्म के तीन स्वरूप हैं। स्वयं शिवजी, भगवान गणेश जी और माता पार्वती जी । किसी किसी ग्रंथ में ब्रह्म का छठा स्वरूप कार्तिकेय जी को माना गया है। तो इस प्रकार ब्रह्म के छह स्वरूप में से चार भगवान शिव जी के ही परिवार में हैं। उन्होंने बताया कि भगवान शिव जी और पार्वती जी

के विवाह के पश्चात कार्तिकेय जी और गणेश जी पुत्र रूप में प्रकट होते हैं । गणेश जी और कार्तिकेय जी में प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ।

भगवान शिव ने कहा कि तुम दोनों में जो पहले पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आएगा उसी का विवाह पहले होगा । कार्तिकेय जी अपने वाहन मयूर पर सवार होकर परिक्रमा करने शीघ्रता से चल पड़े, परंतु स्थल गणेश जी ने माता-पिता अर्थात शिव पार्वती जी को एक शिला पर बिठाकर के पूजन कर उनकी ही परिक्रमा कर ली और कहा की जो पुत्र माता-पिता की परिक्रमा करते हैं उन्हें पृथ्वी की परिक्रमा करने का संपूर्ण तीर्थ की परिक्रमा करने का फल प्राप्त हो जाता है, तो मैं आप दोनों की परिक्रमा कर पृथ्वी की परिक्रमा कर ली है और अब आप मेरा विवाह कर दीजिए तो भगवान शंकर जी ने सहमति देते हुए गणेश जी का विवाह पहले करवा दिया ।

अरे पांडेय ने कहा कि इससे माता-पिता की महिमा प्रकट होती है। हम सभी को भी अपने घरों में विद्यमान प्रत्यक्ष देवता माता और पिता की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। घर के देवता माता-पिता दुखी हो, उपेक्षित हो, तो तीर्थ यात्रा करना भी व्यर्थ है। कथा श्रवण करने मुकेश मां श्रीमती आशा कृष्णकांत तिवारी के साथ जगदीश तिवारी, विजय तिवारी, सत्यप्रकाश तिवारी, राकेश तिवारी, रमाकांत तिवारी, राजेश तिवारी, कमलकांत तिवारी,दीपक तिवारी, माधव प्रसाद पाण्डेय, जीवराखन तिवारी, राकेश पाण्डेय, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, मनमोहन दुबे, गोरेलाल मिश्रा, रामेश्वर साव, बोधराम धीवर सहित परिवार के सदस्य और श्रद्धालु जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत ग्राम बांधाबाजार में विजयदशमी शपथ संचलन का सफल आयोजन

बांधाबाजार -संत शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर ग्राम बांधाबाजार, खंड अम्बागढ़ चौकी में विजयदशमी शपथ संचलन का आयोजन अत्यंत उत्साह, अनुशासन और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा, संस्कार और एकता की भावना को सशक्त करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री जितेंद्र जी शर्मा ने उपस्थित स्वयंसेवकों और ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ÷विजयदशमी केवल बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व नहीं, बल्कि यह आत्म-सुधार और समाज कल्याण का संदेश देने वाला दिवस है।÷ उन्होंने संत परंपरा के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विशेष रूप से श्री उमेंद्र देवांगन, चिन्ताराम नायक, रूपेंद्र सिन्हा,मनहरण लाल पिथौरा, सतीश खंडेलवाल, लेकेश्वर ठाकुर, नीलकंठ कोमरे सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संगठन, सेवा और समाज समरसता की भावना के प्रति निष्ठा की शपथ ली। शपथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासन और एकरूपता का सुंदर प्रदर्शन करते हुए ग्राम का भ्रमण किया। ग्रामवासियों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बाल स्वयंसेवकों द्वारा देशभक्ति गीत, सुभाषित और अमृत वचन प्रस्तुतियाँ दी गई, जिससे वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो उठा।

// कार्यालय सेनानी 4थी वाहिनी छसबल, माना-रायपुर (छ.ग.) //

क.-4थी वाहिनी/छसबल/माना/सा.अ./ A/1639-B /2025, दिनांक 10/10/2025

पुनः निविदा विज्ञप्ति

इकाई में निम्नानुसार कार्य कराये जाने हेतु सेनानी 4थी वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से 02 लिफाफा पद्धति में (लिफाफा "अ" में टेक्निकल बीड एवं लिफाफा "ब" में फायनेंसियल बीड) दर्शाए अनुसार कार्य कराये जाने बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना कमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता लेख किया जाना आवश्यक है।

क.	कार्य का विवरण	स्वीकृत राशि	अमानत राशि
1	वाहिनी मुख्यालय स्थित जिम बैरक में मरम्मत एवं रिनोवेशन कार्य।	4,90,000/-	4,900/-

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र सहित) के साथ रू.300.00 कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस पुलिस रिसिप्ट के अंतर्गत सेनानी 4थी वाहिनी छसबल, माना रायपुर के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी 4थी वाहिनी छसबल, माना रायपुर छ.ग. को प्रस्तुत कर दिनांक..17.10.2025. के 17:00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते है।

1. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि - 17.10.2025 को समय 17:00 बजे तक।
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 18.10.2025 को समय 15:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि - 18.10.2025 को समय 16:00 बजे तक।

नोटः- 1. उपरोक्तानुसार कार्य हेतु निविदा की नियम एवं शर्तें टेण्डर फार्म के साथ कार्यालयीन समय में कार्यालय सेनानी 4थी वाहिनी छसबल, माना से प्राप्त किए जा सकते हैं।

G- 252604124/2

सेनानी
4थी वाहिनी छसबल
माना-रायपुर (छ.ग.)

कलेक्टर से की पद हटाने की मॉग - लवकुमार रामटेके

राजनांदगॉव- लवकुमार रामटेके अधिवक्ता ने बंटवारा नामा का एक प्रकरण नायब तहसीलदार के समक्ष दिनांक 15/09/2025 को प्रस्तुत कराया. उक्त प्रकरण को विधिवत तरीके से दिनांक 19/09/2025 को पंजीबद्ध कर आगामी सुनवाई तिथि दिनांक 13/10/2025 को पक्षकारो की उपस्थिति हेतु नियत किया गया था. आज जब पक्षकार तहसील कार्यालय कुमरदा नायब तहसीलदार से रीडर से सम्पर्क किया जो मालूम हुआ कि बंटवारा आवेदन तो निरस्त हो गया है. उक्त जानकारी जब पक्षकार ने अपने अधिवक्ता तो ऑनलाईन जॉच करने पर मालूम हुआ कि प्रकरण दिनॉक 18/09/2025 को ही निरस्त कर दिया गया है. यानेकि प्रकरण पंजीयन दिनॉक 19/09/2025 पूर्व.

श्री रामटेके ने तत्काल ही श्रीमान जिलाधीश/कलेक्टर शिकायत आवेदन देकर उक्ताशय की जानकारी देते हुए नायब तहसीलदार कुमरदा को तत्काल पद से हटाने एवं अपने पक्षकार को न्याय दिलाने हेतु आवेदन दिया है, अब देखना यह है कि कलेक्टर महोदय क्या कार्यवाही करते है.

किरण देवी पारख देवलोक गमन

राजनांदगांव। आदर्श ग्राम सुरगी निवासी किरण देवी पारख का आकस्मिक निधन (देव लोक गमन) हो गया है। श्रीमती पारख त्रिलोकचंद पारख (वरिष्ठ भाजपा नेता) की धर्मपत्नी थी। उनके सुपुत्र धर्मेंद्र पारख, पप्पू पारख सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है। जिनका आज गांव की मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया ।जिसमें परिवारजन ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

खास खबर

(कोरबा) पं. सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र ई. वी. पी. जी. कॉलेज, कोरबा में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 तक

कोरबा 11 अक्टूबर (आरएनएस)। पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्र शासकीय ई. व्ही. पी. जी. महाविद्यालय, कोरबा में शैक्षणिक सत्र 2025द्26 हेतु सभी संकायों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इच्छुक विद्यार्थियों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। अध्ययन केन्द्र में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र (सर्टिफिक्रेट) पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। यह अवसर उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो रोजगार के साथ-साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं।

अधिक जानकारी एवं प्रवेश संबंधी मार्गदर्शन हेतु इच्छुक विद्यार्थी अध्ययन केन्द्र शासकीय ई. व्ही. पी. जी. महाविद्यालय, कोरबा (पुराना आर.टी.ओ.ध्पुराना कलेक्टोरेट, तहसील रोड, एन.सी.सी. कार्यालय परिसर) में संपर्क कर सकते हैं।

मोरगा समिति में हुई अनियमितता के संबंध में जांच जारी

0 हरिनंदन सिंह उइके को मोरगा समिति का प्रबंधक किया गया नियुक्त

कोरबा । प्रभारी उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं कोरबा ने समाचार पत्र में प्रकाषित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा में भारी अनियमितताबरते जाने की खबर के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मोरगा समिति की जांच जारी है।

जांच हेतु पर्यवेक्षक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक षाखा कटघोरा श्री मणिषंकर मिश्रा एवं पर्यवेक्षक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक षाखा पोड़ी उपरोड़ा श्री हरिनंदन उइके को सयुंक्त रूप से जांच अधिकारी नियुक्त कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देषित किया गया है। साथ ही आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मोरगा के प्रभारी संस्था प्रबंधक श्री महेन्द्र कुमार षर्मा को हटाकर श्री हरिनंदन सिंह उइके संस्था प्रबंधक षाखा पोड़ी उपरोड़ा को मोरगा समिति का प्रबंधक नियुक्त किया गया है।

प्रकिया से रेत खदान आबंटन के लिए एम. एस. टी. सी. पोर्टल के प्रशिक्षण का आयोजन

कोरबा 12 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के अनुसार खनिज साधन विभाग अंतर्गत गौण खनिज साधारण रेत खदानों का आबंटन ई-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) प्रक्रिया के तहत् एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से किया जाना है। ई-नीलामी से सबंधित समस् प्रक्रिया यथा निविदा जारी करना, निविदा में भाग लेने हेतु बोलीकर्ताओं का पंजीयन बोली लगाने की प्रक्रिया, तकनीकी अर्हताधारी बोलीकर्ताओं का चयन, लॉटरी प्रक्रिया, अधिमानी बोलीदार का चयन इत्यादि समस्त कार्यवाही उक्त पोर्टल के माध्यम से ही किया जाना है।

उपरोक्तानुसार गौण खनिज साधारण रेत खदानों का आबंटन

कटघोरा में 'हाथी-मानव संघर्ष नियंत्रण टीम' गठित,

पत्रकार शशिकांत डिक्सेना और हाथी विशेषज्ञ प्रभात दुबे को मिली अहम जिम्मेदारी

कोरबा । कटघोरा वनमंडल क्षेत्र में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष (भ्ब्) की घटनाओं को रोकने के लिए वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत (भा.व.से.) ने एक विशेष ैचमंतीमंक (त्ंवपक त्मेचवदेम) ज्मंउ' का गठन किया है। यह दल संघर्ष की स्थिति में तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत, बचाव और समन्वय की जिम्मेदारी निभाएगा। इस टीम में विभागीय अधिकारियों के साथ पत्रकार, विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल किए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, दल की कमान उपवनमंडलाधिकारी संजय त्रिपाठी को दी गई है, जबकि टीम में 15 सदस्य रखे गए हैं जिनमें परिक्षेत्र अधिकारी, सहायक, रक्षक, पशुचिकित्सक, पत्रकार और हाथी मित्रदल के सदस्य शामिल हैं।

शशिकांत डिक्सेना (निक्की) कृ पत्रकार जो जोखिम उठाकर करते हैं सच्ची रिपोर्टिंग'

कटघोरा के चर्चित पत्रकार 'शशिकांत डिक्सेना (निक्की)' को इस दल में शामिल किया गया है, जो लंबे समय से जंगलों और

वन्यजीव से जुड़े जमीनी मुद्दों पर निडर होकर रिपोर्टिंग करते रहे हैं। निक्की ने कई बार जान जोखिम में डालकर 'हाथी मूवमेंट, ग्रामीणों की परेशानी और प्रशासनिक लापरवाही' को उजागर किया है।

वे न केवल घटनास्थल से समय पर जानकारी जुटाकर विभागीय अधिकारियों को सचेत करते हैं, बल्कि ग्रामीणों के हितों के लिए लगातार आवाज उठाते हैं। ग्रामीणों और वन विभाग के बीच सेतु बनकर उन्होंने कई बार संघर्ष की स्थितियों को टलने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रभात दुबे कृ लोगों को जागरूक कर रहे, टकराव घटाने की मुहिम में आगे'

हाथी विशेषज्ञ प्रभात दुबे को भी इस टीम में सदस्य बनाया गया है। वे पिछले कई वर्षों से गांव-गांव जाकर लोगों को हाथियों के व्यवहार, उनकी गतिविधियों और सुरक्षा के उपायों के बारे में समझा रहे हैं। प्रभात दुबे की मुहिम का असर यह है कि अब कई ग्रामीण क्षेत्र में लोग हाथियों के आगमन पर घबराने की बजाय सावधानीपूर्वक दूरी बनाते हैं, जिससे मानव-हाथी संघर्ष में उल्लेखनीय कमी आई है।

वन विभाग का मानवीय प्रयास'

वनमंडलाधिकारी कटघोरा कुमार निशांत ने आदेश में कहा है कि यह दल किसी भी संघर्ष की सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचेगा, घायलों को सुरक्षित करेगा और हाथियों को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित दिशा में मोड़ेगा। साथ ही, प्रत्येक घटना की फोटो-वीडियो व ळचै लोकेशन सहित रिपोर्ट तैयार की जाएगी और मुआवजा प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाया जाएगा।

दल के सदस्यों को समुदाय से संवाद, भीड़ नियंत्रण, जनजागरूकता और ग्रामीणों को प्रशिक्षण देने का दायित्व भी सौंपा गया है।

कटघोरा मॉडल बन सकता है उदाहरण'

पत्रकारों, विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों की यह संयुक्त पहल न केवल संघर्ष की घटनाओं को कम करेगी बल्कि एक संवेदनशील और सहभागी प्रशासनिक मॉडल के रूप में उभर सकती है। ग्रामीण भी इसे स्वागत योग्य कदम बता रहे हैं, क्योंकि इसमें उन लोगों को जोड़ा गया है जो वास्तव में मैदान पर सक्रिय और विश्वसनीय हैं।

कोरबा एस.पी. के नाम 2.50 लाख की उगाही : एसईसीएल कर्मी भयादोहन का शिकार

प्रवीण झा पर 11 लाख की ठगी का आरोप

कोरबा एक एसईसीएल कर्मचारी को कार्रवाई और नौकरी का भय दिखाकर कोरबा एसपी व एसईसीएल अधिकारियों के नाम से 11 लाख रुपये की उगाही का शिकार बनाया गया।

प्रार्थी दीनदयाल उम्र 59 वर्ष पिता समारु निवासी-एमक्यू डी-8 बल्गी कॉलोनी थाना बांकीमोंगरा जिला कोरबा ने जिला पुलिस अधीक्षक से की गई शिकायत में बताया है कि वह वर्तमान में एस.ई.सी.एल. बल्गी परियोजना में पंप ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। पिछले वर्ष सितम्बर 2024 को उसके मोबाईल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर अपना परिचय प्रवीण झा पिता रामानंद निवासी तैय्यब मस्जिद के पास बिलासपुर बताया। वह प्रार्थी को डराने लगा कि तुम बल्गी में फर्जी तरीके से नौकरी कर रहे हो, मैं तुम्हारी शिकायत सभी कार्यालय में भेजकर तुम्हे नौकरी से बाहर करा दूंगा। यदि तुम चाहते हो कि मैं कोई ऐसा नहीं करूं तो तुम मुझे 8 लाख रुपये दे दो, मैं कोई शिकायत

या कार्यवाही नहीं करूंगा।

पहले झटके में 5 लाख वसूला

दीनदयाल के द्वारा उससे मिलने की इच्छा बताने पर वह मुझे दीपका थाना के पास आकर मिलने बोला, तब अगले दिन अपने मित्र सावना (एस.ई.सी.एल. रिटायर्ड कर्मचारी) के साथ मिलने पहुँचा जो वहां वह अकेले उपस्थित था। बातचीत करने पर वह बोला कि मेरे पास बहुत से ऐसे दस्तावेज हैं जिससे नौकरी खतम करा सकता हूँ। बड़े-बड़े पुलिस अधिकारी एवं एस ई सी एल अधिकारियों से परिचय बताया, जिससे भयभीत होकर पूछा कि वह क्या चाहता है? प्रवीण झा ने 8 लाख रुपये में सब सम्हाल लेने और कोई नुकसान नहीं होने देने की बात पर नवम्बर 2024 तक कुल पांच लाख रुपये किश्तो में प्रदान कर दिया।

एसपी के बाद एसईसीएल अधिकारियों के नाम वसूली

इसके बाद 23 दिसम्बर 2024 को पुनः व्हाटसअप मैसेज भेज कर विभिन्न अधिकारियों को शिकायत करने की धमकी देने लगा। उससे कॉल कर बातचीत करने पर वह कहने लगा कि मैं तो आपकी बात मान कर आगे कोई कार्यवाही नहीं कर रहा हूँ, लेकिन पुलिस अधीक्षक कोरबा (एस.पी.) नहीं मान रहे हैं, उन्हें 2,50,000/- रुपये और देना पड़ेगा। दीनदयाल ने तत्काल उतनी राशि देने में असमर्थता जताई तो कुछ माह की मोहलत मिली। किश्तों में जनवरी 2025 से जुलाई तक नगद राशि 2,50,000/- उसे प्रदान किया। अगस्त 2025 में उसके द्वारा पुनः प्रार्थी को कॉल करके बताया कि उसके द्वारा पुलिस अधीक्षक एवं एस.ई.सी.एल. अधिकारियों को शिकायत पत्र प्रेषित कर दिया गया था जो सभी विरुद्ध में जांच करवाना चाहते हैं तो एस.ई.सी.एल. के अधिकारी 10 लाख मांग रहे हैं। दीनदयाल के द्वारा इतनी बड़ी राशि देने से मना करने पर पुनः नौकरी से बर्खास्त करा देने का भय दिखाकर 05 सितम्बर को 10 लाख रुपये में से अग्रिम राशि 2,50,000/- का एक चेक भारतीय स्टेट बैंक शाखा बल्गी का प्राप्त कर लिया। प्रार्थी ने उपरोक्त चेक में दिनांक 07/05/2025 के स्थान पर 07/05/2026 लिखा दिया ताकि प्रवीण झा तत्काल उक्त चेक की राशि निकाल ना सके इसलिए वह 2,50,000/- रुपये का भुगतान बैंक से प्राप्त नहीं किया है।

परियोजना अधिकारी से किसी प्रकार का प्रताड़ना या कमींशन की नहीं की गई मांग -डीपीओ रेणु प्रकाश

कोरबा । जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती रेणु प्रकाश ने समाचार पत्र एवं न्यूज पोर्टल में प्रकाशित एवं प्रसारित डीपीओ ने परियोजना अधिकारी से मांगा 50 हजार खबर के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि परियोजना अधिकारी, कोरबा ग्रामीण श्रीमती ममता तुली द्वारा अपना पेडिंग प्रकरण निपटाने पर 50 हजार रुपये मांग के संबंध में आरोप लगाया गया है। श्रीमती ममता तुली द्वारा वर्ष 2022-23 के अपने लंबित अवकाश प्रकरण स्वीकृत कराने हेतु मुझ पर दबाव डाला गया। परीक्षण में पाया गया कि श्रीमती तुली का सर्विस बुक जो कि जिला कार्यालय में रहना चाहिये उसे बिना मेरे जानकारी के अपने पास रखा गया एवं उक्त सर्विस बुक में अवकाश स्वीकृत हुये बिना सर्विस बुक में इन्द्राज अपने बाबू श्री आलोक पाण्डेय, सहायक ग्रेड-01 से कराकर मेरे समक्ष प्रस्तुत किया गया। मेरे द्वारा अवकाश स्वीकृति की नस्ति का अवलोकन किया गया जिसमें संबंधित द्वारा बिना मेरे जानकारी के इन्द्राज होना पाया गया एवं नस्ति में कोई भी दस्तावेज नहीं पाए गए। साथ ही जो पत्र श्रीमती तुली द्वारा रखा गया है वे अहस्ताक्षरित है। इस कार्यालय के पत्र द्वारा श्रीमती ममता तुली, परियोजना अधिकारी, कोरबा ग्रामीण को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। कारण बताओ सूचना पत्र का जवाब कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना, कोरबा ग्रामीण के पत्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। जवाब तथ्यात्मक प्रतीत नहीं होने पर पुनः इस कार्यालय से पत्र जारी कर पुनः कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जवाब मांगा गया।

पुरानी बस्ती के स्कूल को मिली नई शिक्षिका

युक्ति युक्तकरण ने एकलशिक्षकीय पाठशाला की मुश्किलें की दूर

कोरबा। अट्ठइस बरस पहले खुले प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती अलगीडाँड़ में अब नई शिक्षिका आ गई है। नई शिक्षिका के आने पर न सिर्फ स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी खुश है, गाँव में रहने वाले वे परिवार जो अपने बच्चों को बहुत उम्मीद के साथ स्कूल भेजते हैं वे भी बहुत खुश है कि अब उनके बच्चों को नई शिक्षिका भी पढ़ाएगी। पाली विकासखंड के अंतर्गत ग्राम अलगीडाँड़ में संचालित प्राथमिक शाला में कुल 63 बच्चे दर्ज है। ज्यादातर विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति परिवार से हैं। विद्यालय में विगत कई वर्ष से एकमात्र प्रधानपाठक श्री रघुवीर सिंह ही थे जो सभी विद्यार्थियों की कक्षाएं लेते थे। इस दौरान उन्हें बहुत परेशानियों का सामना भी करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि युक्तियुक्तकरण से उनके विद्यालय में एक शिक्षिका पदस्थ हुई है। उनके पदस्थापना से उन्हें भी बहुत राहत मिली है। युक्ति युक्तकरण से पदस्थ शिक्षिका श्रीमती इंदु पैकरा ने बताया कि उनका नाम युक्ति युक्तकरण में आने के बाद उन्होंने 6 जून को विद्यालय में अपनी उपस्थिति दी। अब चार माह हो गए हैं।

विद्यार्थियों के साथ घुल मिल गई है। विद्यार्थी भी उन्हें नई मैडम के नाम से जानते हैं। विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी अविनाश, अतुल, मुस्कान,मान्या, स्वाति,प्रियांशी ने बताया कि नई मैडम उन्हें पढ़ाती है।

विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के साथ किया जा रहा नियमित शिविर का आयोजन

अदाणी फाउंडेशन कोरबा जिले में 3000 बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूल के बच्चों की नेत्र जाँच कर बांटेगी मुफ्त चश्मे'

० ० कोरबा पॉवर लिमिटेड के सामाजिक सरोकारों की अनुपम पहल

कोरबा जिले के बरपाली तहसील में अदाणी फाउंडेशन ने नियमित नेत्र जाँच शिविर की शुरुआत की है। अदाणी के कोरबा पॉवर लिमिटेड (केपीएल) के पास के पाँच ग्राम पंचायतों खोड़ुल, सरगबूंदिया, ढ़नीढ़नी, पहंदा, और पताड़ी के आसपास के ग्रामों में निवासरत बुजुर्गों, महिलाओं और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों सहित कुल 3000 लोगों

को इसका लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य आसपास के ग्रामों में गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाओं के मद्देनजर गांवों में स्कूल के छात्रों सहित बुजुर्गों और महिलाओं में नेत्र रोग को समस्या से निजात दिलाना है।

इसी कड़ी में नेत्र जाँच शिविर उद्घाटन गत मंगलवार को ग्राम पंचायत पताड़ी में किया गया। जिसमें कार्यक्रम की मुख्यअतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताड़ी की डॉ रजनी कटकवार थी। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता केपीएल के महाप्रबंधक श्री नितिन पाटील ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पताड़ी सरपंच श्री प्रधान सिंह ठाकुर, सरगबूंदिया सरपंच श्री अश्विनी तवर, जिला पंचायत प्रतिनिधि श्री कमलेश अनंत, केपीएल के भू विभाग प्रमुख श्री विकास ठाकुर तथा कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख श्री अतुल गुप्ता उपस्थित थे। इसके अलावा अदाणी फाउंडेशन के श्री ताजेंद्र बंजारे व पवन महतो सहित गांव के पंच, बुजुर्गजन तथा ग्रामवासी मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रजनी कटकवार ने कहा कि, अदाणी फाउंडेशन का नेत्र रोग के निदान के लिए यह प्रयास काफी सराहनीय है। उन्होंने सभी को सरकार के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम नेत्र दान करने के लिए प्रेरित भी किया।

डेंगू, मलेरिया व कीटजनित बीमारियों को लेकर नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग एलर्ट मोड पर

नगर निगम कोरबा एवं स्वास्थ्य विभाग की हुई संयुक्त बैठक, वार्ड एवं बस्तियों में पहुंचेगी संयुक्त टीम, दवाओं का छिड़काव,

संभावित लार्वा को 0 खत्म करने एवं जनजागरूकता लाने चलेगा अभियान

कोरबा । डेंगू, मलेरिया, कीटजनित व जलजनित बीमारियों से सुरक्षा एवं बचाव हेतु नगर निगम केारबा व स्वास्थ्य विभाग एलर्ट मोड पर कार्य करते हुए वार्ड व बस्तियों में विशेष अभियान चलाएगा, इस हेतु गठित संयुक्त टीमें डोर-टू-डोर पहुंचकर दवाओं के छिड़काव, संभावित लार्वा को खत्म करने व इस दिशा में लोगों में जागरूकता लाने का कार्य एक अभियान के रूप में करेंगी, इसके साथ ही घर के आसपास, छतों पर व घर के बाहर भीतर रखी कबाड़ सामग्रियों में जल जमाव को खत्म करने, एहतियाती कदम उठाने हेतु लोगों को जागरूक करेंगी। कलेक्टर श्री अजीत वसंत व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन तथा निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक निगम

कार्यालय में आयोजित हुई, बैठक में अपर आयुक्त विनय मिश्रा, उपायुक्त नीरज कौशिक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, स्वास्थ्य विभाग से डॉ.सिद्दीकी, डॉ.दुबे, जिला समन्वयक श्रीमती ज्योत्सना सहित निगम के स्वच्छता विभाग व जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने बैठक में कहा कि वर्तमान वर्षा ऋतु में डेंगू, मलेरिया व कीटजनित बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, विगत वर्ष भी शहर के कुछ क्षेत्रों में डेंगू के प्रकरण सामने आए थे, अतः हमें इस दिशा में एलर्ट मोड़ पर रहकर कार्य करना होगा। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस हेतु स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले, नगर निगम के मैदानी अ मले एवं मितानिनों की संयुक्त टीमें घर-घर पहुंचकर एक विशेष अभियान के रूप में इन बीमारियों से बचाव व सुरक्षा हेतु सभी आवश्यक कार्यवाहियॉ करेंगी तथा इस कार्य में वार्ड पार्षदों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ नागरिकों का महत्वपूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन भी प्राप्त करेंगी। अभियान के दौरान कीटनाशक व लार्वारोधी दवाओं का छिड़काव कर संभावित लार्वा, मच्छर आदि को खत्म करने का कार्य होगा, विशेषकर हाटस्पाट क्षेत्रों को चिन्हित कर वहॉ पर सघन कार्यवाही की जाएगी। घरों के आसपास एवं घर की छतों पर जल जमाव न हों, छत पर रखी पानी टंकियॉ पूर्ण रूप से ढकी हुई व ढक्कनयुक्त हों, घरों एवं घरों के बाहर रखी कबाड़ सामग्रियों, कूलर, गमले, फूलदान आदि में जल जमाव न हों, इस हेतु लोगों को जागरूक किया जाएगा।

डेगू रोग के लक्षण - डेगू बीमारी एडिज नामक मच्छर के काटने से होती है, एडिज मच्छर दिन के समय काटता है, डेगू रोग के प्रमुख लक्षण हैं अचानक तेज सिर दर्द व तेज बुखार, मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द होना जो कि आंखों के घुमाने से बढ़ता है, जी मिचलाना व उल्टी होना, गंभीर मामलों में नाक मुंह मसूड़ों से खून आना तथा त्वचा पर चकत्ते उभरना आदि प्रमुख लक्षण है।

बचाव के उपाय- एडिज मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, अतः कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रीज की टेऊ, फूलदान, खाली टायर, खुले हुए ओव्हरहेड टैंक, छतों में रूका बरसाती पानी नियमित रूप से खाली किया जाए तथा उन्हें धूप में सुखाने के बाद उपयोग में लाया जाए। जिन बर्तनों में पीने का पानी रखा रहता है, उन्हें ढक कर रखें, घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली पर्दे लगाए तथा सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, घर में मच्छरनाशक दवाओं का छिड़काव कराएं।

एहतियात बरतने प्रशासन की आमजन से अपील- जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन द्वारा आमजन से अपील करते हुए कहा गया है कि डेंगू, मलेरिया, पीलिया व अन्य संक्रामक रोगों से बचाव हेतु सावधानी बरतें। घर में रखे कूलर, छत व घर के आसपास पानी जमा न होने दें, प्रतिदिन कूलर का पानी बदलें, यदि कूलर उपयोग में नहीं लाया जा रहा तो उसका पानी निकालकर एवं सुखाकर कूलर को घर के अंदर रख दें, घर के बर्तनों, फूलदान व अन्य सामग्रियों व जगहों पर पानी जमा न हों, इस हेतु सजग रहें, अपने घर व आसपास की स्वच्छता बनाए रखें।

नौकरी मांगने गए भूविस्थापित किसान की महिला बाउंसरों से पिटाई, आक्रोशित ग्रामीणों में भारी रोष

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कुसमुंडा क्षेत्र में स्थित एसईसीएल की कोयला खदान में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी नीलकंठ में भूविस्थापितों के साथ विवादों को निपटाने के लिए महिला बाउंसरों की तैनाती किए जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें दो महिला बाउंसर एक व्यक्ति को मारते और घसीटते हुए साफनजर आ रही हैं। इस घटना ने क्षेत्र के भूविस्थापित परिवारों में भारी आक्रोश भर दिया है, और कई संगठन इस अमानवीय कृत्य का कड़ा विरोध कर रहे हैं।

बाउंसरों की बर्बरता का वायरल वीडियो

बताया जा रहा है कि नीलकंठ कंपनी द्वारा स्थानीय भूविस्थापितों, जो अक्सर नौकरी या अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हैं, उनसे निपटने के लिए महिला बाउंसरों की एक टीम तैनात की गई है। वायरल वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि कंपनी परिसर के पास दो महिला बाउंसर एक पुरुष व्यक्ति के साथ बल प्रयोग कर रही हैं। वे न केवल उसे पीट रही हैं, बल्कि उसे कलर पकड़ कर घसीटते हुए भी दिखाई दे रही हैं। यह घटना कंपनी द्वारा विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए अत्यधिक बल के उपयोग को दर्शाती है।

भूविस्थापितों में गहरा आक्रोश

इस वीडियो के सामने आने के बाद से कुसमुंडा क्षेत्र के भूविस्थापित परिवारों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। भूविस्थापितों का कहना है कि उनकी जमीनें खदान विस्तार के लिए अधिग्रहित की गई हैं, लेकिन उन्हें वर्षों बाद भी न तो उचित मुआवजा मिला है और न ही नियमानुसार रोजगार दिया गया है।

मयाली नेचर कैम्प में ऑनलाइन बुकिंग सुविधा प्रारंभ

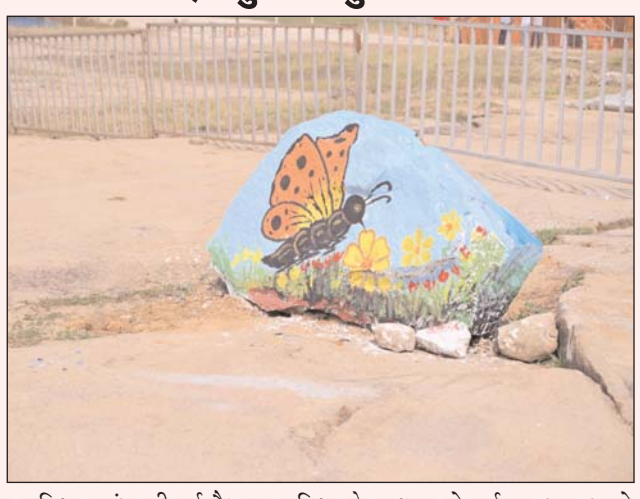

रायपुर। जशपुर जिले के कुनकुरी परिक्षेत्र अंतर्गत स्थित मयाली नेचर कैम्प अपनी प्राकृतिक सुंदरता एवं मनोहारी परिवेश के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह क्षेत्र घने वनों से आच्छादित है। यह क्षेत्र जशपुर जिले को प्रकृति द्वारा मिला एक अनुपम उपहार है। मयाली नेचर कैम्प देवबोरा एवं मयाली ग्राम के मध्य स्थित है। यह स्थल पारिवारिक भ्रमण, मित्रों के साथ अवकाश व्यतीत करने तथा साहसिक गतिविधियों के शौकीनों के लिए लंबी दूरी की पैदल यात्राओं हेतु अत्यंत उपयुक्त है। पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मयाली नेचर कैम्प में ऑनलाइन गेट मनी बुकिंग सुविधा प्रारंभ की गई है। इस सुविधा के माध्यम से पर्यटक अब अपने भ्रमण हेतु ऑनलाइन टिकट प्राप्त कर सकेंगे। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस ऑनलाइन सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और मयाली नेचर कैम्प की प्राकृतिक सौंदर्यता का आनंद लें।

भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव पर लगा बिहार चुनाव में टिकट बेचने का आरोप

रायपुर/बिहार । छत्तीसगढ़ के कांग्रेस विधायक देवेंन्द्र यादव पर बिहार चुनाव में टिकट बेचने का आरोप लगा है। बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने देवेंद्र यादव के खिलाफ मोंचा खोल दिया है और दिल्ली स्थित नये कांग्रेस भवन के सामने हाथों में पाम्पलेट लेकर विरोध प्रदर्शन किया है। साथ ही छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भी टिकट बेचे जाने का आरोप लगा है। दोनों पर टिकट दलाली का आरोप बिहार कांग्रेस के साफ़ छवि के नेता लगा रहे है। बता दें कि कांग्रेस आलाकमान ने छग के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भरोसा जताते हुए बिहार चुनाव पर्यवेक्षक बनाया गया है तथा उनका सहयोग करने के लिए भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को नियुक्त किया गया है। एक ओर कांग्रेस बिहार में चुनाव जीतने का भरोसा जता रही है। वहीं दूसरी ओर छग कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल और विधायक देवेंद्र यादव पर टिकट दलाली का आरोप बिहार कांग्रेस के साफ छवि वाले नेता लगा रहे है। जिन्होंने आज हाथों में पाम्पलेट लेकर कांग्रेस के दिल्ली स्थित नए दफ्तर के सामने जमकर प्रदर्शन किया। जिसमे लिखा हुआ था कि देवेन्द्र यादव टिकट बेचना बंद करो। इससे कांग्रेस पार्टी की फ़ज़ीहत देशभर में हो रही है। कहा यह भी जा रहा है कि भूपेश बघेल के कहने पर ही कांग्रेस आलाकमान ने बिहार के लिए पर्यवेक्षक के लिए सहयोग करने हेतु बिहार कांग्रेस कमेटी के लिए भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को नियुक्त किया गया है

वनमंत्री ने 48 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज बस्तर विकासखंड के ग्राम चमिया में 48 लाख रुपए से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। यह कार्य ग्रामीण इलाकों में सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए किए जा रहे हैं। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार हर गाँव तक विकास पहुँचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन की सरकार में मातृशक्ति को विशेष सम्मान मिला है।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ग्राम पंचायत चमिया में 30 लाख रुपए की लागत से 'महतारी सदन' का निर्माण किया जाएगा। यह भवन महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा, जहाँ स्व-सहायता समूहों की महिलाएँ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी और रोजगार के नए अवसर पाएंगी। इसके अलावा, ग्राम बड़े अलनार में 6.10 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण और छोटे अलनार में 12.40 लाख रुपए की लागत से उचित मूल्य दुकान भवन का निर्माण किया जाएगा।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि महतारी सदन केवल एक भवन नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे इन कार्यों की गुणवत्ता और समय पर पूर्णता सुनिश्चित करने में सहयोग दें। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दिवान, अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सभी निकायों में दीपावली के पूर्व वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को समयबद्ध कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दीपावली के पहले सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर नजर आने चाहिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुईं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने गोधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित आवरण बढ़ाने हेतु एक समग्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने इसके लिए राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी भी नियुक्त करने को कहा। समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के लंबित विद्युत देयकों की समीक्षा की गई। श्री साव ने एनर्जी बिल ऑडिट की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए प्राप्त सुझावों के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने सरचार्ज एवं अतिरिक्त भार से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए निकायों के सीएमओ, लेखापाल व अभियंताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में नवगठित नगरीय निकायों को आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के लिए अधोसंरचना मद, चुंगी कर अथवा अन्य स्रोतों से राशि स्वीकृत कर कार्य कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने नवीन निकायों को शीघ्र आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नालंदा परिसरों, अटल परिसरों तथा बजट में शामिल अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा भरपूर राशि प्रदान की जा रही है, अतः सभी अधिकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को इनका शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती, वर्गीकरण तथा सेट-अप रिवीजन पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

उप अभियंताओं की भर्ती हेतु वित्त विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। श्री साव ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 21 नगरीय निकायों की जलप्रदाय योजनाओं एवं एसटीपी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीपीआर एवं आरएफपी कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की निकायवार समीक्षा कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से निर्माण में आ रही बाधाएं दूर कर कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों की चल-अचल संपत्ति, मशीनरी, वाहनों आदि की ऑडिट कर अद्यतन स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यावसायिक परिसरों एवं दुकानों के नियमानुसार सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

भारती सिंह बनीं 'ऊर्जा उत्पादक' : सोलर रूफटॉप से घर बना मिनी पावरहाउस

रायपुर । सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के चालू होने के एक वर्ष के भीतर ही शानदार परिणाम सामने आए हैं। जहाँ परिवार की औसत मासिक खपत लगभग 1200 यूनिट है, वहीं सोलर पैनल 850 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन हर माह कर रहा है। यानी उनकी कुल खपत का करीब 70 प्रतिशत बिजली अब सूर्य से प्राप्त हो रही है। सिंह ने मुस्कराते हुए कहा कि पहले हम सिर्फ बिजली जलाते थे, अब हम इसे बनाते भी हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के तहत एक महिला उपभोक्ता ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। खैरागढ़ के गंजीपारा निवासी भारती सिंह ने अपने घर की छत पर 10 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर अपने घर को एक मिनी पावरहाउस में बदल दिया है। समाचार माध्यमों के जरिए योजना की जानकारी मिलते ही श्रीमती सिंह ने तुरंत पहल की। लगभग 6 लाख रूपए की लागत से स्थापित यह प्रणाली उनके घर को न सिर्फ बिजली उपभोक्ता बल्कि उत्पादक भी बना रही है। सरकारी सब्सिडी से मिला लाभ खर्च कम हुआ इस परियोजना की वास्तविक लागत को कम करने में केंद्र सरकार की 78 हजार रूपए और राज्य सरकार 30 हजार रूपए की सब्सिडी 3 किलोवॉट की सौर संयंत्र की स्थापना पर दे रही है।

छत्तीसगढ़ की 9 क्षेत्रीय पार्टियों पर 'मान्यता' का संकट

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। राज्य की नौ (9) क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों की मान्यता अब ख़तरे में है। इन दलों पर वित्तीय अनियमितताओं और चुनावी खर्च का ब्यौरा समय पर जमा न करने का गंभीर आरोप है। राज्य निर्वाचन आयोग में इन मामलों की सुनवाई पूरी होने के बाद, अब अंतिम निर्णय के लिए यह मामला केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया है। केंद्रीय आयोग अगले एक महीने के भीतर यह तय करेगा कि इन दलों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) बरकरार रखा जाए या उन्हें पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाए। खतरे में इन 9 पार्टियों की मान्यता जिन क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द होने की तलवार लटक रही है, उनकी सूची इस प्रकार हैः भारत भूमि पार्टी, भारतीय जनता सेक्युलर पार्टी, भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच, छत्तीसगढ़ विकास गंगा राष्ट्रीय पार्टी, छत्तीसगढ़ समाज पार्टी, छत्तीसगढ़िया पार्टी, पिछड़ा समाज पार्टी यूनाइटेड, राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी, वित्तीय अनियमितता और खर्च रिपोर्ट में चूक मुख्य कारण निर्वाचन आयोग की कार्रवाई का मुख्य आधार इन दलों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन न करना है। इन पार्टियों पर मुख्य रूप से दो बड़े आरोप हैं।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से की आत्मीय भेंट, अनुशासन और लगन को बताया सफलता का मंत्र

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से की आत्मीय भेंट

शिक्षा ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव

रायपुर।प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव आज अपने अछोटी प्रवास के दौरान मुड़पार गांव में विद्यालय जा रहे विद्यार्थियों से अनौपचारिक रूप से मिले। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके शैक्षणिक अनुभवों, पढ़ाई की स्थिति तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।

मंत्री श्री यादव ने बच्चों की जिज्ञासापूर्ण बातें सुनीं और उन्हें जीवन में अनुशासन, मेहनत एवं लगन को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है। जो विद्यार्थी अपने समय का सदुपयोग करते हैं, वही आगे चलकर समाज और देश की उन्नति में योगदान देते हैं।

श्री यादव ने आगे कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास और समाज सेवा की भावना को भी विकसित करती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपने शिक्षकों का सम्मान करें, नियमित अध्ययन करें और अपने सपनों को साकार करने के लिए सदैव प्रयासरत रहें।इस दौरान मंत्री ने विद्यालयों की शिक्षकीय व्यवस्था, अध्ययन की स्थिति और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने क्षेत्र के शिक्षकों और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करें, ताकि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहें।

मंत्री श्री यादव ने मुड़पार के विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति गंभीरता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि हर बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले। इसके लिए सरकार निरंतर विद्यालयों की बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों की उपलब्धता और डिजिटल संसाधनों के विस्तार पर कार्य कर रही है।

मुलाकात के अंत में मंत्री श्री यादव ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे निडर होकर अपने सपनों का पीछा करें। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए सरकार निरंतर योजनाएँ बना रही है और उनके सफल क्रियान्वयन हेतु समाज के सहयोग की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से हर घर बन रहे ऊर्जा दाता

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया अध्याय जोड़ा है। पारंपरिक बिजली उपभोक्ता अब स्वयं ऊर्जा उत्पादक बन रहे हैं। बेमेतरा जिले के पंजाबी कॉलोनी निवासी श्री इंदर सिंह दत्ता ने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर इस योजना का लाभ प्राप्त किया है। मात्र एक माह में उनके प्लांट से 300 से अधिक यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ है। इससे न केवल उनके बिजली बिल में कमी आई है, बल्कि अतिरिक्त बिजली से उन्हें आय अर्जित करने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है।

इस योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट सोलर प्लांट पर केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए एवं राज्य सरकार से 30 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है। उपभोक्ता को कुल एक लाख 8 हजार रूपए की आर्थिक सहायता मिलती है। डबल सब्सिडी से उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ उठाने में मदद मिली है। लोग सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना न केवल आम नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस योजना से हर घर सौर - हर घर रोशन÷ का लक्ष्य साकार होता दिखाई दे रहा है।

तीन दिवसीय लौह शिल्प प्रदर्शनी का सफल समापन, उत्पादों को मिला उत्साहजनक प्रतिसाद

रायपुर। छत्तीसगढ़ लौह एवं शिल्पकार विकास बोर्ड द्वारा राजधानी रायपुर के टाउन हॉल में आयोजित तीन दिवसीय लौह शिल्प प्रदर्शनी सह बिक्री केंद्र का समापन आज संपन्न हुआ। 9 से 11 अक्टूबर तक चली इस प्रदर्शनी में राज्य के विभिन्न अंचलों से आए शिल्पकारों द्वारा लोहे से निर्मित हस्तशिल्प वस्तुओं का प्रदर्शन और विक्रय किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था, जिससे शिल्पकारों को बाजार, पहचान और उचित मूल्य मिल सके। समापन अवसर पर दक्षिण विधान सभा के विधायक सुनील सोनी ने कहा कि ऐसी आयोजनों से बस्तर सरगुजा जैसे सुदूर अंचलों में निवासरत ग्रामीणों को एक अच्छा बाजार मिलता है। जिससे वह अपनी बनाई हुए वस्तुओं को उचित कीमत में बेच सके। वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा ऐसे कलाकारों को और अधिक प्रोत्साहन देने के लिए राजधानी के आस पास कहीं भी कोई जमीन जिसमें ऐसे कलाकारों को हाट बाजार,प्रशिक्षण केंद्र आदि शुरू करना हो तो अवश्य दिया जाएगा। साथ ही श्री सुनील सोनी जी ने अपनी विधायक निधि से 10 लाख रुपए की राशि भी बोर्ड को प्रदान करने की घोषणा भी की। ग्रामीण विधान सभा के विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि लौह शिल्पकारो ने के द्वारा निर्मित वस्तुओं की प्रसिद्धि पूरे विश्व में है। यह आए सभी शिल्पकारों को बोर्ड के अध्यक्ष एवं अधिकारी गणों को इस सफल आयोजन की शुभकामनाएं देता हु। साथ ही भविष्य में लौह शिल्पकला को बढ़ाने के हर संभव प्रयास मेरे द्वारा किया जाएगा। प्रदेश के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा जी ने लौह शिल्प प्रदर्शनी एवं कलाकारों की खूब सराहना की उन्होंने कहा कि प्रदेश में कला की कोई कमी नहीं है। इन हस्त निर्मित वस्तुओं,एवं शिल्पकारों को राजधानी रायपुर के घासीदास संग्रहालय एवं नया रायपुर में प्रशिक्षण एवं बिक्री हेतु उचित स्थान के साथ सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। लौह शिल्पकला बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा जी ने बताया कि पूरे विश्व में छत्तीसगढ़ का लोहा अद्भुत एवं अत्याधिक मांग वाला खनिज है।आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए लौह शिल्प कला बोर्ड द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में लोहे से हस्त निर्मित वस्तुओं का निर्माण करने वाले कारीगरों,कलाकारों को एक पहचान दिलवाने एवं उनके द्वारा निर्मित वस्तुओं को सही कीमत एवं बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह 3 दिवसीय प्रदर्शनी एवं बिक्री केंद्र का आयोजन किया गया था और बड़ी संख्या में उत्पादकों को ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इस तीन दिवसीय आयोजन में आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं शिल्पप्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उत्पादों की अच्छी बिक्री हुई और अग्रिम ऑर्डर भी प्राप्त हुए।

स्वच्छता पखवाडा के अंतर्गत स्वच्छ नीर थीम पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

रायपुर। भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ रेल ङ्क स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में प्रत्येक दिवस निर्धारित थीम के अनुसार स्वच्छता संबंधी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को स्वच्छ नीर थीम पर विशेष अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, यूनिटों, कॉलोनियों एवं रेलवे अस्पतालों में पेयजल व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर पेयजल आपूर्ति के स्रोतों, टंकियों, पाइपलाइनों तथा वाटर वेंडिंग मशीनों की कार्यप्रणाली की गहन जांच की गई। यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे पानी की शुद्धता की पुष्टि हेतु आवश्यक जल परीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही, पेयजल के स्थानों एवं आसपास के क्षेत्रों की विशेष साफ-सफाई की गई ताकि यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। कोचों में पानी भरने के स्थानों पर हाइड्रेंट पाइपों की स्थिति की जांच की गई तथा संबंधित कर्मचारियों को इनकी उचित देखरेख एवं रखरखाव के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। नामित अधिकारियों द्वारा ट्रेनों में सफाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया और पीने के पानी की जांच में उपयोग किए जाने वाले टेस्टिंग किट एवं रसायनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर यात्रियों से अपील की गई कि वे पेयजल का सदुपयोग करें, जल स्रोतों एवं पेयजल स्थलों के आसपास गंदगी न फैलाएँ तथा इन स्थानों को स्वच्छ बनाए रखने में रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)